राष्ट्रपति ने दिया राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

मिग-21 की भावुक विदाई... 62 साल की शानदार सेवा के बाद विदा

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 270 | रायपुर | शनिवार 27 सितंबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

सरकार के लेह हिंसा पर सख्त तेवर, गिरफ्तार किए गए सोनम वांगचुक, कर्फ्यू जारी

नईदिल्ली, संवाददाता।

लद्दाख में हाल ही में हुई हिंसा के बाद पुलिस ने सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को गिरफ्तार कर लिया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि लेह पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर अज्ञात जगह पर ले गई है। आज वांगचुक एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले थे, इससे पहले ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें कि इस हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई थी और 80 से ज्यादा घायल हुए थे।

सरकार द्वारा हिंसा का जिम्मेदार ठहराए जाने पर वांगचुक ने कहा था कि उन्हें बलि का बकरा बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा था, वे किसी को बलि का बकरा बनाने की चालाकी कर सकते हैं, लेकिन वे बुद्धिमान नहीं हैं। फिलहाल हमें चतुराई की बजाय बुद्धिमत्ता की जरूरत है, क्योंकि युवा पहले से ही निराश हैं। मैं जेल जाने को तैयार हूं, लेकिन वांगचुक को आजाद रखने के बजाय जेल में डालने से समस्याएं और बढ़ सकती हैं।

लद्दाख में हिंसा के बाद से ही वांगचुक सरकार के निशाने पर हैं। पहले गृह मंत्रालय ने कहा था कि वांगचुक ने अपने भड़काऊ बयानों के माध्यम से भीड़ को उकसाया और अरब स्प्रिंग शैली के विरोध प्रदर्शनों और नेपाल में जेन-जेड के विरोध प्रदर्शनों का भड़काऊ उल्लेख करके लोगों को गुमराह किया। कल ही सरकार ने वांगचुक के एनजीओ का विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफ सीआरए) लाइसेंस रद्द कर दिया था।

वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद लेह में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। हिंसा के बाद से लगातार तीसरे दिन आज कर्फ्यू लगा हुआ है। स्कूल-कॉलेज समेत सभी शिक्षण संस्थान भी बंद हैं। प्रशासन ने लेह में आईटीबीपी, पुलिस और सीआरपीएफके जवानों को भारी संख्या में तैनात किया है। एक एफआईआर दर्ज की गई है और 50 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

बिहार को मोदी ने दी सौगात : मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत

75 लाख महिलाओं के खातों में सीधे 10-10 हजार रुपये की पहली किस्त

नईदिल्ली,एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने साफ किया कि सरकार की ज्यादातर योजनाएं महिलाओं को केंद्र में रखकर बनाई गई हैं, जिससे पूरे समाज में बदलाव आया है। उन्होंने विशेष रूप से उज्ज्वला योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इसने गरीब महिलाओं के जीवन को बदल दिया है। पहले महिलाएं धुएं में जिंदगी गुजारती थीं, फेफड़ों और आंखों की बीमारियों से जूझती थीं, लेकिन अब उज्ज्वला ने रसोई के साथ-साथ उनकी जिंदगी को भी उज्ज्वल कर दिया है।

पीएम मोदी ने कहा कि अब बिहार की महिलाओं को राशन में उसना चावल भी दिया जा रहा है, ताकि उन्हें बाजार में अदला-बदली करके नुकसान न उठाना पड़े। इसके अलावा उन्होंने पीएम आवास योजना की भी बात की, जिसमें घरों का मालिकाना हक महिलाओं के नाम पर भी दिया जा रहा है। बिहार में 50 लाख से ज्यादा पीएम आवास बने हैं और उनमें ज्यादातर में महिलाओं का भी नाम दर्ज है।

महिलाओं के स्वास्थ्य को परिवार की मजबूती से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब महिला स्वस्थ रहती है, तभी परिवार सशक्त बनता है। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का जिक्र करते हुए कहा कि अब बिहार की करोड़ों महिलाओं को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है और गर्भवती महिलाओं को पोषण व स्वास्थ्य देखभाल के लिए सीधी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने हाल ही में शुरू किए गए स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान पर भी विस्तार से बात की। इस अभियान के तहत सवा चार लाख से अधिक कैंप लगाए जा रहे हैं जिनमें महिलाओं की बीमारियों जैसे खून की कमी, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर की जांच की जा रही है। अब तक 1 करोड़ से ज्यादा महिलाएं इसमें अपनी जांच करवा चुकी हैं। पीएम ने महिलाओं से अपील की कि वे इन शिविरों में जरूर जाएं।

पूर्णिया की पुतुल देवी की जलेबी और प्रधानमंत्री मोदी की चुटकी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 सितंबर को बिहार में 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के शुभारंभ के दौरान राज्य की महिलाओं से वर्चुअल संवाद किया। इस योजना के तहत 75 लाख महिलाओं को 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है, ताकि वे खुद का छोटा व्यवसाय शुरू कर सकें। पूर्णिया की पुतुल देवी के साथ संवाद के समय जब बातचीत मिठाई पर आ आई, तो माहौल और मीठा हो गया। पुतुल देवी अभी लड्डू-बताशे की दुकान चलाती हैं, लेकिन अब इस योजना से मिली मदद के बाद जलेबी, बालूशाही और बर्फी भी बनाने की तैयारी में हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने हल्के-फुल्के अंदाज में पूछा अच्छा पुतुल जी, आपको मालूम है ना, हमारे देश में जलेबी पर भी राजनीति चलती रही है? बस फिर क्या था, वहां मौजूद महिलाएं खिलखिलाकर हंस पड़ीं। पुतुल देवी भी मुस्कुराते हुए बोलीं, 'जी जी सर।' इस मजाकिया संवाद से पूरा माहौल हंसी में बदल गया और कार्यक्रम का यह पल यादगार बन गया। इस मजेदार पल को जिसने भी देखा, मुस्कान रोक नहीं पाया।

सुप्रीम कोर्ट की दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध पर सख्ती, केंद्र सरकार को दिए ये निर्देश

नई दिल्ली. एजेंसी। दिवाली से पहले पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध पर जारी घमासान के बीच सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के निर्माण की अनुमति दे दी. शीर्ष कोर्ट ने कहा कि केवल उन्हीं निर्माताओं को दिवाली से पहले ग्रीन पटाखे बनाने की अनुमति है जिनके पास ग्रीन पटाखे बनाने के लिए NEER¤I और P¤ESO परमिट हैं. मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया ने निर्माताओं के लिए एक शर्त भी रखी. पीठ ने कहा कि अदालत के अगले आदेश तक उन्हें एनसीआर में कोई भी पटाखा नहीं बेचना चाहिए. अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को निर्धारित है.

पटाखों के प्रतिबंध पर कही थी ये बात - आपको बता दें कि 3 अप्रैल 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर प्रतिबंध केवल सर्दियों के मौसम के बजाय पूरे वर्ष के लिए बढ़ाया जाए. इस फैसले को अदालत में चुनौती दी गई है और सुनवाई जारी है।

शौर्य के 6 दशक बाद 'आसमान का बाज़' मिग-21 रिटायर हुआ

नई दिल्ली । भारतीय वायुसेना का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान मिग-21, छह दशकों तक देश के आसमान की रक्षा करने के बाद शुक्रवार, 26 सितंबर को सेवा से रिटायर हो गया। इस ऐतिहासिक विमान को विदाई देने के लिए चंडीगढ़ में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया है, जहां वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह खुद मिग-21 के 'बादल' फॉर्मेशन को उड़ाकर इस गौरवशाली अध्याय का समापन किये। 1963 में भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल हुआ रूस निर्मित मिग-21 अपनी ध्वनि से तेज रफ्तार (मैक 2) और अचूक मारक क्षमता के लिए जाना जाता था।

'बंगाल में बने सोनार बांग्ला का निर्माण करने वाली सरकार', कोलकाता में बोले गृह मंत्री

एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दौरे पर पहुंचे. इस दौरान उन्होंने कोलकाता में एक दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया. इस पंडाल को ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर बनाया गया है. इस दौरान गृह मंत्री शाह ने कहा कि चुनाव के बाद बंगाल में ऐसी सरकार बननी चाहिए जो सोनार बांग्ला का निर्माण कर सके. केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने बंगाल की लोगों और देशभर के लोगों को दुर्गा पूजा की बधाई और शुभकामनाएं दी.

पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हुआ दुर्गा पूजा महोत्सव- गृह मंत्री गृह मंत्री ने कहा कि नवरात्रि में नौ दिन का पूजा महोत्सव अब सिर्फबंगाल और भारत ही नहीं पूरे विश्व में प्रसिद्ध हुआ है. उन्होंने कहा कि बंगाल की इस महान परंपरा को पूरे विश्व ने बहुत आनंद के साथ स्वीकारा और देखा है. उन्होंने कहा कि बंगाल में नौ दिन तक हर व्यक्ति- चाहे बच्चा, युवा या बुजुर्ग हो सभी शक्ति पूजा में अपने आप को समर्पित कर देते हैं. शाह ने कहा कि ये नौ दिन बंगाल के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं.

'बंगाल में बने सोनार बांग्ला का निर्माण करने वाली सरकार' शाह ने कहा कि मैं आज मां की पूजा करके आया हूं, मैंने मां के सामने पूजा की है कि इस चुनाव के बाद बंगाल में एक ऐसी सरकार बने जो सोनार बांग्ला का निर्माण कर पाएं. शाह ने कहा कि हमारा बंगाल फिर से सुरक्षित, समृद्ध, शांत, सुजलाम सुफ्लाम बने और यहां पर कवि गुरु की कल्पना के बंगाल का निर्माण हम कर पाएं.

केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि आज महान शिक्षाविद और समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर की भी जयंती है. शाह ने कहा कि इन्होंने ना केवल बंगाल बल्कि पूरे देश में जब हम गुलाम थे. शिक्षा के लिए जो किया है उसे भुलाया नहीं जा सकता. गृह मंत्री ने कहा कि बंगाल की भाषा, संस्कृति, व्याकरण और महिलाओं की शिक्षा के लिए ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया.

रेखा सरकार का ऐतिहासिक निर्णय, ग्रामीण विकास बोर्ड की पहली बैठक में गांवों के लिए 1000 करोड़ से अधिक की योजनाएं मंजूर

एजेंसी। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने राजधानी के गांवों के विकास को लेकर आज ऐतिहासिक निर्णय लिया है। गांवों के विकास को लेकर बने दिल्ली ग्रामीण विकास बोर्ड की पहली बैठक में ही राजधानी के गांवों में विकास व अन्य कार्यों को लेकर एक हजार करोड़ रुपए से ज़्यादा की 431 नई योजनाओं को मंजूरी दी गई। बोर्ड की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा है कि गांव केवल परंपरा और संस्कृति के प्रतीक नहीं, बल्कि राजधानी की जीवनरेखा भी हैं। सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करना है, साथ ही वहां विकास कार्यों में तेजी लाना है।

कोलकाता पहुंचे शाह ने की मां दुर्गा की पूजा

विदेश भारत में बैन है टिकटॉक

डोनाल्ड ट्रंप ने 'टिकटॉक' से जुड़ी डील को दी मंजूरी, अब अमेरिका करेगा ऐप को कंट्रोल

वाशिंगटन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें टिक-टॉक को अमेरिका में संचालित करने के समझौते को मंजूरी दी गई है। व्हाइट हाउस में गुरुवार को आदेश पर हस्ताक्षर करते समय ट्रंप ने कहा कि उनकी राष्ट्रपति शी से बहुत अच्छी बातचीत हुई और उन्होंने इस सौदे के लिए हमें मंजूरी दे दी। कार्यकारी आदेश के अनुसार, टिकटॉक का अमेरिकी ऐप अमेरिका में स्थापित एक नए संयुक्त उद्यम द्वारा संचालित किया जाएगा। अमेरिकी सरकार के आदेश के अनुसार, टिकटॉक का अमेरिकी ऐप अब एक नई अमेरिकी कंपनी द्वारा संचालित होगा। इस कंपनी का अधिकांश हिस्सा और नियंत्रण अमेरिकी लोगों के पास होगा। यह किसी विदेशी शत्रु देश के नियंत्रण में नहीं रहेगा।

ओरेकल, सिल्वर लेक और कुछ अन्य अमेरिकी निवेशक इस नई कंपनी में बहुमत हिस्सेदारी रखेंगे। इसमें यह भी कहा गया कि टिकटॉक की चीनी मालिक कंपनी बाइटडांस इस संस्था में 20 प्रतिशत से कम हिस्सेदारी रखेगी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने घोषणा की कि टिकटॉक यूएस का मूल्य 14 बिलियन डॉलर होगा।

उन्होंने कहा कि हम टिकटॉक को चलाने की अनुमति देना चाहते थे, लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहते थे कि अमेरिकी नागरिकों की डेटा गोपनीयता कानून के अनुसार सुरक्षित रहे। इस समझौते से अमेरिकी लोग टिकटॉक का उपयोग अधिक भरोसे के साथ कर सकेंगे, क्योंकि उनका डेटा सुरक्षित रहेगा और इसे प्रचार के हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

वेंस ने इस बात पर भी जोर दिया कि टिकटॉक के एल्गोरिदम का नियंत्रण अमेरिकी निवेशकों के पास रहेगा। उन्होंने कहा कि यह डील इस बात को सुनिश्चित करती है कि अमेरिकी कंपनी और अमेरिकी निवेशक एल्गोरिदम को वास्तव में नियंत्रित करेंगे। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे लोग और हमारे निवेशक अपने व्यवसाय के हित में निर्णय लें, न कि किसी दूसरी सरकार के प्रचार तंत्र के हित में।

भारत आ सकते हैं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप', पीएम मोदी से होगी मुलाकात!

वाशिंगटन ,एजेंसी ।

भारत इस बार क्वाड समिट में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के नेताओं की मेजबानी करेगा। पिछली क्वाड समिट साल 2024 में अमेरिका के विलमिंगटन, डेलावेयर में हुई थी। अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारी ने कहा, 'जहां तक अगली मीटिंग की बात है, मैं राष्ट्रपति की ओर से कोई भी घोषणा पहले से नहीं करना चाहता लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि आप दोनों (प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप) की मुलाकात होते हुए देखेंगे।' अधिकारी ने आगे कहा, 'उनके बीच बहुत, बहुत सकारात्मक संबंध हैं। हम क्वाड समिट की योजना पर काम कर रहे हैं। यह किसी न किसी समय होगी, अगर इस साल नहीं तो अगले साल की शुरुआत में होगी। तारीख (तय करने) पर काम चल रहा है।' उन्होंने अमेरिका-भारत के बीच वर्तमान संपर्क को 'बेहद उपयोगी' करार दिया और कहा कि आने वाले महीनों में 'लगातार सकारात्मक प्रगति' की उम्मीद की जा सकती है। अधिकारी ने कहा, 'हमारे बीच कुछ मतभेद हैं। पिछले कुछ हफ्तों में यह स्पष्ट हो गया है कि हम इन मतभेदों को दूर करने को लेकर काम कर रहे हैं, खासकर व्यापार और रूस से तेल की खरीद को लेकर। हम इनके समाधान को लेकर काम कर रहे हैं।' उन्होंने इस तरफ ध्यान दिलाया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल में प्रधानमंत्री मोदी को उनके 75वें जन्मदिन की बधाई देने के लिए फोन किया था और उस बातचीत को 'बहुत सकारात्मक' बताया था।

शहबाज-मुनीर की फिर इंटरनेशनल बेइज्जती, ट्रंप से मिलने के लिए व्हाइट हाउस में करना पड़ा लंबा इंतजार

वाशिंगटन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप से ओवल ऑफिस में मुलाकात के दौरान कूटनीतिक असहजता देखने को मिली। मुलाकात से पहले दोनों नेताओं को करीब एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। इसी दौरान ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में चुटकी लेते हुए कहा, *पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल शायद इस कमरे में मौजूद हों, क्योंकि हम देर से हैं।* इस टिप्पणी को लेकर पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा।

23 सितंबर को भी हुई थी अनौपचारिक मुलाकात

इससे पहले 23 सितंबर को शहबाज शरीफ की ट्रंप से एक अनौपचारिक मुलाकात हुई थी। यह बैठक ट्रंप और आठ इस्लामिक-अरब देशों के नेताओं के साथ हुई वार्ता के बाद आयोजित की गई थी। उस समय पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इशाक डार भी मौजूद थे। कूटनीतिक जानकारों का मानना है कि यह मुलाकात हाल के वर्षों में बिगड़े रिश्तों के बाद अमेरिका और पाकिस्तान के बीच बढ़ती नजदीकियों का संकेत है।

पीएम नेतन्याहू के भाषण पर हंगामा, कई देशों के प्रतिनिधियों ने किया वॉकआउट

एजेंसी। **कीव।** न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र महासभा में शुक्रवार को उस समय तनावपूर्ण माहौल बन गया, जब इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भाषण देने पहुंचे. नेतन्याहू जैसे ही हॉल में दाखिल हुए, बड़ी संख्या में राजनयिकों ने विरोध जताते हुए सत्र से वॉकआउट कर दिया. यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब गाजा में इजरायल की सैन्य कार्रवाई को लेकर दुनिया भर में उसे बढ़ती आलोचना और अलगाव का सामना करना पड़ रहा है.

जानकारी के मुताबिक, अरब और मुस्लिम देशों के लगभग सभी प्रतिनिधि भाषण शुरू होते ही बाहर चले गए. उनके साथ अफ्रीका के कई देशों और कुछ यूरोपीय प्रतिनिधियों ने भी वॉकआउट किया. रिपोर्ट्स के अनुसार, यह विरोध इजरायल पर गाजा में की जा रही कार्रवाई और नागरिकों की मौत को लेकर जताया गया.

हमास के नेता डाले हथियार

नेतन्याहू ने अपने संबोधन में कहा कि इजरायल गाजा में चल रहे अभियान को अंतिम मुकाम तक लेकर जाएगा और यह काम जितनी जल्दी हो सके पूरा किया जाएगा. उन्होंने दावा किया कि इजरायली खुफिया एजेंसियों ने गाजा में फोन नेटवर्क को कंट्रोल कर लिया है, ताकि वहां के लोग उनका भाषण लाइव देख सकें.

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

शिवनाथ नदी में बाढ़ बचाव मॉकड्रिल का आयोजन, एसडीआरएफ एनडीआरएफने बाढ़ प्रभावितों के रेस्क्यू का किया लाइव अभ्यास

रायपुर। भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण, नई दिल्ली के दिशा-निर्देशों के तहत बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों का आकलन करने के लिए दुर्ग जिले के शिवनाथ नदी में आज राज्य स्तरीय मॉकड्रिल आयोजित की गई। नगर सेना विभाग द्वारा जिला स्तर पर उपलब्ध समस्त बाढ़ बचाव संसाधनों का प्रदर्शन किया गया।

एसडीआरएफ - एनडीआरएफ ने बाढ़ प्रभावितों के रेस्क्यू का किया लाइव अभ्यास

मॉकड्रिल की शुरुआत इंसिडेंट कमाण्डर एवं एडीएम श्री अभिषेक अग्रवाल के कमांड से हुआ। उनके कमांड मिलते ही एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की टीमों ने उफनती शिवनाथ नदी में उतरकर ग्रामीणों को सुरक्षित निकालने का रेस्क्यू ऑपरेशन किया।

एसडीआरएफ/एनडीआरएफने बाढ़ प्रभावितों के रेस्क्यू का किया लाइव अभ्यास

अभ्यास के दौरान यह परिदृश्य बनाया गया कि अतिवृष्टि से नदी में जलभराव होने पर ग्रामीण लकड़ी या छोटे नाव से नदी पार कर रहे थे, तभी नाव पलट गई और लोग डूबने लगे। इस स्थिति में मोटर बोट, स्क्यूबा डाइविंग, अंडरवॉटर कैमरा, लाइफ जैकेट, लाइफ बॉय, आस्का लाइट, पेलिकन लाइट और सर्च लाइट का उपयोग कर बचाव अभियान चलाया गया।

एसडीआरएफ/एनडीआरएफने बाढ़ प्रभावितों के रेस्क्यू का किया लाइव अभ्यास

रेस्क्यू टीमों ने तेज बहाव में फंसे व्यक्तियों, पेड़ों पर चढ़े ग्रामीणों और पुल टूटने से अलग-थलग पड़े लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। कुछ ग्रामीण नदी में गिर गए थे, जिन्हें त्वरित कार्रवाई कर बचाया गया। इसी दौरान एक नाव पलटने पर टीम के सदस्यों को भी सुरक्षित निकाला गया। डूबे हुए व्यक्तियों को फस्ट एड, सीपीआर और डीप डाइविंग कर रेस्क्यू किया गया। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की मॉकड्रिल से आपदा के समय त्वरित और समन्वित कार्यवाही संभव हो सकेगी। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों को

जागरूक करने हेतु अभ्यास के दौरान घरेलू सामग्री जैसे टीपा, भगोना, ड्रम, मटका, ट्यूब आदि से राफ्ट बनाने और पानी की बोतल को एयरटाइट कर अस्थायी लाइफ जैकेट की तरह इस्तेमाल करने का प्रशिक्षण दिया गया।मॉकड्रिल के अंतर्गत अंजोरा स्थित पंचायत प्रशिक्षण भवन में राहत शिविर लगाया गया, जहां बाढ़ प्रभावितों के लिए रहने, भोजन और चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था की गई। प्रभावित गांवों के पशुओं के लिए भी दवाई और चारे की आपूर्ति सुनिश्चित की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री विरेन्द्र सिंह, एएसपी श्री अभिषेक झा, नगर सेना कमाण्डेंट श्री नागेन्द्र सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री हरवंश सिंह मिरी एवं श्रीमती सिल्ली थॉमस, डिप्टी कलेक्टर श्री लवकेश ध्रुव, श्री हितेष पिस्दा, श्री उत्तम ध्रुव, डॉ. सीबीएस बंजारे एवं उनकी टीम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, राज्य आपदा मोचन बल, नगर सेना के जवान तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

दिनभर दीनदयाल, हर दिन दीनदयाल, भाजपा सोशल मीडिया पर चलता रहा दिन भर अभियान

रायपुर। जनसंघ के संस्थापक और अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के 109वीं जयंती के अवसर पर पूरे प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उन्हें नमन किया। इस मौके पर भाजपा सोशल मीडिया में लगातार दिनभर दीनदयाल जी के जीवन पर केन्द्रित वीडियो, फोटो व पोस्ट शेयर करती रही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने उनके संस्मरणों को याद करते हुए सोशल मीडिया, फेसबुक, इंस्टाग्राम व एक्स पर पोस्ट किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर कहा कि आज हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जनसंघ के पूर्व अध्यक्ष, महान विचारक और समाज सुधारक पं. दीनदयाल उपाध्याय जी को, जिन्होंने अंत्योदय और एकात्म मानववाद के सिद्धांतों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की प्रेरणा पहुँचाई। उनका जीवन और दर्शन आज भी हमें सशक्त, समावेशी और सर्वजन हितैषी समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने मां भारती की सेवा में जीवनपर्यंत समर्पित रहे अंत्योदय व एकात्म मानववाद के प्रणेता, महान चिंतक, उत्कृष्ट संगठनकर्ता, पथ प्रदर्शक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन किया। श्री देव ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए उनका जीवन समर्पित रहा। उनके विचार और सिद्धांत हमें सदैव राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देते रहेंगे। भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्मजयंती के अवसर पर उनके तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर फोटो एक्स पर पोस्ट किया। प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने 'अंत्योदय' और 'एकात्म मानववाद' के प्रणेता, भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर, रायपुर स्थित स्मृति मंदिर में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया। भाजपा के प्रदेश महामंत्री त्रय अखिलेश सोनी, यशवंत जैन व डॉ. नवीन मार्कंडेय सहित पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि दी।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और अधिकारियों ने किया श्रमदान, पंडित दीनदयाल उपाध्याय

श्री साव ने स्वच्छता दीदियों को बांटे किट, पीएम स्वनिधि के हितग्राहियों को दिए यूपीआई बॉक्स

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा के अंतर्गत बिलासपुर नगर निगम द्वारा आयोजित सामूहिक श्रमदान में सहभागिता करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय गार्डन और उसके आसपास के स्थानों की सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने इससे पूर्व एकात्म मानववाद के प्रणेता, प्रसिद्ध विचारक एवं चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें सादर नमन किया। उन्होंने दीनदयाल गार्डन में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री साव ने गार्डन में विधायक श्री धरमलाल कौशिक और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ झाड़ू लगाकर कचरा साफ किया। उन्होंने स्वच्छता दीदियों को साड़ी और किट भी वितरित किए। बिलासपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती पूजा विधानी, सभापति श्री विनोद सोनी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, निगम आयुक्त श्री अमित कुमार और जिला पंचायत के सीईओ श्री संदीप अग्रवाल भी अभियान में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम में कहा की पंडित दीनदयाल उपाध्याय देश के बड़े विचारक और चिंतक थे। उन्होंने आधुनिक राजनीति को एक नई दिशा दी। देश की विरासत के अनुरूप हमारा देश तरक्की करे, ये उनका विचार था। उनकी विचारधारा के अनुरूप देश को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आगे ले जा रहे हैं। पंडित श्री उपाध्याय अंत्योदय के प्रणेता थे, जिनका मानना था कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक मिले। इस दिशा में आज पूरे देश में कार्य किए जा रहे हैं। पीएम आवास, आयुष्मान भारत योजना, सबके घरों में शौचालय, उज्जवला योजना इसका प्रमाण है।

100 दिन में रकम दोगुनी करने का झांसा,पांच करोड़ की ठगी

रायपुर । राजधानी रायपुर में एक बड़ा निवेश घोटाला सामने आया है। टिकरापारा थाना पुलिस ने ए स्क्वायर ग्लोबल कंसल्टेंसी कंपनी के संचालक अनिरुद्ध दलवी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि दलवी ने लोगों को 100 दिन में रकम दोगुनी करने का वादा कर करोड़ों रुपये हड़प लिए और अब फरार है। निवेशकों का आरोप है कि अप्रैल 2025 के बाद दलवी ने पैसे लौटाने से बचने के लिए तरह-तरह के बहाने बनाने शुरू कर दिए। कभी वेबसाइट हैकिंग, तो कभी ट्रेडिंग अकाउंट में तकनीकी खराबी का हवाला देकर भुगतान टालता रहा। अंततः करोड़ों रुपये लेकर मोबाइल नंबर बंद कर फरार हो गया। टिकरापारा पुलिस ने प्रकरण में छत्तीसगढ़ निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम 2005 की धारा 10 और धोखाधड़ी से जुड़ी धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। फिलहाल आरोपी अनिरुद्ध दलवी फरार है और पुलिस उसकी तलाश तेज कर रही है। ऐसे दिया लोगों झांसा, कुछ को भुगतान भी किया शिकायतकर्ता अनवर मोहम्मद निवासी रायपुर ने पुलिस को बताया कि संचालक ने सोशल मीडिया और सेमिनारों के ज़रिए लोगों को निवेश के लिए प्रेरित किया। कंपनी दावा करती थी कि जमा रकम पर रोजाना 2त्न का मुनाफा मिलेगा और सिर्फ 100 दिन बाद रकम दोगुनी होकर वापस कर दी जाएगी। शुरुआती दौर में विश्वास जमाने के लिए दलवी ने कुछ निवेशकों को बैंक खाते से भुगतान भी किया। कई राज्यों के लोगों को बनाया शिकार पीड़ित अनवर मोहम्मद ने बताया कि उसने स्वयं 5.40 लाख कंपनी में निवेश किए, जबकि उसके दोस्तों और परिचितों ने मिलकर लगभग 5 करोड़ जमा किए।

जिले को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में कार्य करें - राज्यपाल

धमतरी । प्रदेश के राज्यपाल रमेन डेका आज अपने एक दिवसीय निजी प्रवास पर धमतरी पहुंचे। गंगरेल बांध स्थित बरदिहा रिसॉर्ट में रेडक्रास सोसायटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने राज्यपाल से सौजन्य भेंट की। सदस्यों ने राज्यपाल को पौधा भेंट किया । इस अवसर पर पदाधिकारियों ने जिले में रेडक्रास द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को उपलब्ध कराई जा रही त्वरित सेवाओं तथा टीबी मरीजों को दी जा रही सहायता की जानकारी दी। राज्यपाल डेका ने जिले को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में ठोस पहल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस कार्य में रेडक्रास के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं, एनजीओ, व्यापारी वर्ग एवं आम नागरिकों की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने %निक्षय मित्र' पहल की जानकारी लेते हुए इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। गंगरेल बांध में राज्यपाल ने बोटिंग की । इस दौरान उन्होंने गंगरेल बांध के जल भराव की स्थिति और छोड़े जा रहे पानी की भी जानकारी ली। कार्यपालन अभियंता जल संसाधन कुरेसिया ने अवगत कराया कि बांध में वर्तमान में 14 हजार 270 क्यूसेक पानी की आवक हो रही है तथा 4 हजार 450 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे जल स्तर संतुलित बना हुआ है। 'राज्यपाल का धमतरी भ्रमण पर कलेक्टर अबिनाश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार ने पुष्प गुच्छ से स्वागत किया । भेंट के दौरान रेडक्रास सोसायटी के वाइस चेयरमेन शिवा प्रधान, जिला संगठक आकाश गिरी गोस्वामी, सदस्य प्रबंध कार्यकारिणी गुरूशरण साहू एवं आजीवन सदस्य डूमन साहू उपस्थित रहे।

मोदी जी के नेतृत्व में देश विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है : श्याम अग्रवाल

जीएसटी एवं नए आयकर कानून से देश की अर्थव्यवस्था होगी सुदृढ़- अजय पारख

धमतरी, 25 सितम्बर । 17 सितंबर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 75 वीं जन्म जयंती से लेकर 2 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती तक भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश भर में सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जा रहा है। स्वच्छता अभियान, एक पेड़ मां के नाम, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, दिव्यागजनों को उपकरण वितरण जैसे अनेक आयोजन लगातार जिले भर में चल रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को धमतरी जिला मुख्यालय स्थित विमल टॉकीज में प्रधानमंत्री मोदी के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया साथ ही सेवा पखवाड़ा एवं नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म्स को लेकर प्रबुद्धजन संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आरंग के पूर्व विधायक एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश के महामंत्री नवीन मार्कण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का बचपन अभावों में बीता परन्तु उनके जिज्ञासु मन में हमेशा ये सवाल रहता था कि हम किसके लिए जीते हैं। स्वामी विवेकानंद का गहरा प्रभाव उनके व्यक्तित्व में बालपन से परिलक्षित होता है। यही कारण है कि उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में सबसे पहली योजना शौचालय निर्माण की बनाई ताकि देश का हर नागरिक विशेष देश की नारी शक्ति स्वाभिमान का जीवन जी सके। कोई व्यक्ति ऐसा न रहे जिसके सर पर छत न हो, इलाज के लिए पैसों के अभाव में देश में किसी नागरिक की मृत्यु न हो, सबको भरपेट भोजन मिले, शुद्ध पेय जल मिले, 140 करोड़ देशवासियों का जीवन स्तर ऊंचा उठ सके इसकी संपूर्ण योजना केंद्र की मोदी सरकार ने बनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नगर के जाने माने उद्योगपति एवं समाज सेवी श्याम अग्रवाल ने मोदी को एक विजनरी व्यक्ति बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रवादी सोच के व्यक्ति है तथा उनके नेतृत्व में देश विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है। प्रदेश भाजपा की उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रंजना साहू ने कहा कि जब मोदी जी ने एक देश एक कर प्रणाली लागू की तो विपक्षियों के द्वारा गब्बर सिंह टैक्स कहकर इसका मखौल उड़ाया गया अब लोग गुड एंड सिंपल टैक्स कह कर इसे एक क्रांतिकारी कदम मानते हैं। महापौर जगदीश रामू रोहरा ने जीएसटी में आए नए रिफॉर्म्स के लिए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री का आभार माना। उन्होंने कहा कि जीएसटी का जो नया टैक्स स्लैब लागू हुआ है उससे 99त्न वस्तुएं सस्ती हो गई हैं और उससे औसतन 50 हजार से अधिक का लाभ आम नागरिक को प्रतिवर्ष होने वाला है। जिलापंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा ने सभी शासकीय एवं निजी संस्थाओं से अपील की कि जीएसटी के इस नए रिफॉर्म्स के लिए अपनी संस्था की ओर से प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद प्रस्ताव प्रेषित करें। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस ने अपने स्वागत उद्बोधन में जिले भर से आए प्रबुद्धजनों, महिलाओं, युवाओं तथा किसान भाइयों सहित समाजजनों का इस कार्यक्रम में उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया। विशेष अतिथि के रूप सेवानिवृत प्राचार्य चंद्रशेखर चौबे तथा नगर के वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेट अजय पारख ने कर प्रणाली में परिवर्तन को तकनीकी रूप से आर्थिक सुधारों की दिशा में एक जरूरी कदम बताया। आयकर का कानून पुराना होने के कारण अप्रासंगिक हो गया था जिसे आज की परिस्थितियों के अनुरूप बनाया गया, अनेक अनावश्यक धाराओं को समाप्त किया गया। देश में प्रचलित मिश्रित कर व्यवस्था का बोझ अंतिम उपभोक्ता के ऊपर पड़ता था। देश में 17 किस्म के टैक्स और 13 से अधिक उपकर लागू थे जिसे हटाकर जीएसटी लाया गया।

संगठनात्मक मजबूती के लिए किए जाएंगे अहम बदलाव, अमित पठानिया

यूथ कांग्रेस संगठन में अभी नहीं होंगे चुनाव, जनविरोधी नीतियों के खिलाफ युवा कांग्रेस करेगा बड़ा आंदोलन

रायपुर । छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय सचिव श्री अमित पठानिया द्वारा प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने संगठन की मजबूती, भविष्य की रणनीति एवं भारतीय जनता पार्टी की जनविरोधी नीतियों को लेकर विस्तार से अपनी बात रखी। प्रभारी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में युवा कांग्रेस का संगठन निरंतर सक्रिय और सशक्त भूमिका में है। लेकिन बदलते हालात में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है, जिसके लिए कई अहम बदलाव किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा जनता को ठगने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का काम कर रही है। श्री अमित पठानिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने और भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ निर्णायक संघर्ष के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आने वाले समय में संगठन बूथ स्तर तक अपनी पकड़ मजबूत करेगा और हर मुद्दे पर जनता के साथ खड़ा रहेगा। इस दौरान नेताओं ने बताया प्रभारी नियुक्त होने के बाद लगातार 9 दिनों तक प्रदेश का दौरा किया गया। इस दौरान हुई 11 घंटे लंबी बैठक में संगठन की दिशा और रणनीति पर गहन चर्चा हुई। सचिन पायलट के नेतृत्व में आयोजित यात्रा में सक्रिय भूमिका निभाते हुए जनता को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। रायपुर ग्रामीण एवं शहर जिला कार्यकारिणी की बैठकों में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। सक्रिय न रहने वाले पदाधिकारियों को पदमुक्त किया जाएगा, वहीं नए साथियों को शामिल किया जाएगा। साथ ही एससी, एसटी, ओबीसी वर्ग और चुनाव जीतने वाले साथियों को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही बूथ स्तर की जांच में गड़बडियों का खुलासा हुआ है। भाजपा के कारनामों को जनता के सामने रखा जाएगा। जनता पर 2 से 3 गुना ज्यादा बिल का बोझ डाला जा रहा है। इसके खिलाफ आंदोलन छेड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर ग्राम पोड़ीखुर्द से ग्राम सुलेशा के बीच दनगरी घाट

18.37 करोड़ रुपए की मिली मंजूरी,जल्द शुरू होगा कार्य

जशपुरनगर । घने जंगलों, कल-कल बहते झरनें, पहाड़ी नदियां, ऊँचे पहाड़ों और पठारों से घिरा जशपुर प्राकृतिक खूबसूरती का अद्वितीय खजाना है। पर्यटकों के लिए सहज आकर्षित करने वाले इन खूबसूरत पर्यटन स्थलों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर विकसित किया जा रहा है। इसका मकसद जशपुर की इन पर्यटन स्थलों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत पहचान देने के साथ ही रोजगार के नए अवसर निर्मित करना है। मुख्यमंत्री की पहल पर हाल ही में बगीचा विकासखंड स्थित दनगरी घाट तक सुगम पहुंच दिलाने के लिए ग्राम पोड़ीखुर्द से ग्राम सुलेशा के बीच दनगरी घाट तक 13.60 किमी सड़क निर्माण के लिए 18.37 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई हैं। निर्माण हेतु आगे की प्रक्रिया जारी है। लोगों की यह बहुप्रतीक्षित मांग पूरा होने पर उनमें खुशी की लहर है। उन्होंने बताया कि इस पर्यटन क्षेत्र का विकास हो जाने से आसपास के ग्रामों को लाभ मिलेगा। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। जशपुर मुख्यालय से लगभग 88 किमी दूर घने जंगलों में स्थित यह झरना ऊँची चट्टानों से तीन-चार धाराओं में गिरता है। शांत, मनोहारी और रोमांच से भरपूर यह स्थान प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं। मुख्यमंत्री ने 14 सितंबर को

बगिया से सामुदायिक पर्यटन के तहत जशपुर के पांच ग्रामों में होम स्टे की शुरुआत की थी, जिनमें दनगरी भी शामिल है। यह नीति लागू करने का उद्देश्य रोजगार के नए अवसर निर्मित करने के साथ ही देश-दुनिया के पर्यटकों को यहां की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और लोकजीवन से परिचय कराना भी है। मुख्यमंत्री के प्रयासों से ही मधेश्वर पहाड़ को शिवलिंग की विश्व की सबसे बड़ी प्राकृतिक प्रतिकृति के रूप में मान्यता मिली है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान मिला है। रिकॉर्ड बुक में 'लार्जेस्ट नेचुरल फैक्सिमिली ऑफ शिवलिंग' के रूप में मधेश्वर पहाड़ को दर्ज किया गया है। जशपुर की पर्यटन स्थलों की जानकारी के लिए पर्यटन वेबसाइट में जगह दी गई है। जशपुर इस पर्यटन वेबसाइट में शामिल होने वाला प्रदेश का पहला जिला बन गया है। इस बेबसाइट के माध्यम से जशपुर की नैसर्गिक खूबसूरती की जानकारी पर्यटकों को आसानी से मिल सकेगी।

मां महामाया मंदिर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा, नवरात्रि के अवसर पर विशेष पूजा अर्चना

रामानुजगंज। छत्तीसगढ़ के सीमा पर स्थित कन्हर नदी के तट पर स्थित मां महामाया मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। इस मंदिर की मान्यता न केवल क्षेत्रीय श्रद्धालुओं के बीच, बल्कि दूसरे राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं में भी गहरी है। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन से ही यहां भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। विशेषकर इस समय नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा अर्चना करने के लिए यहां पहुंच रहे हैं। नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल के द्वारा मंदिर में गुंबज निर्माण सहित अन्य कार्य कराए गए हैं।

मंदिर का इतिहास और महत्व

मां महामाया मंदिर का इतिहास 1935 से जुड़ा हुआ है, जब सरगुजा स्टेट के तात्कालिक महाराज रामानुज शरण सिंह देव ने इस मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा बड़े धूमधाम से कराई थी। यह मंदिर क्षेत्र का एकमात्र देवी मंदिर था और समय के साथ यहां श्रद्धालुओं की आस्था बढ़ती गई। आज भी यहां हर दिन श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए पूजा अर्चना करते हैं, और यहां यह मान्यता है कि जो भी सच्चे मन से अपनी इच्छा मां महामाया से मांगता है, उसकी मनोकामना जरूर पूरी होती है। इस बात के कई उदाहरण भी सामने आए हैं, जिनमें श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी हुई हैं।

मंदिर में पूजा अर्चना की परंपरा स्वर्गीय केदारनाथ पांडे और उनकी तीन पीढ़ियों द्वारा निभाई जाती रही है। स्वर्गीय केदारनाथ पांडे ने लगभग चार दशकों तक मंदिर में पूजा अर्चना की थी। उनके बाद उनके पुत्र नंदलाल पांडे और अब उनके पोते जितेंद्र पांडे पूजा अर्चना की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। यह परंपरा न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि एक ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्व रखती है।

मां महामाया मंदिर में महामाया मां की सिद्ध पीठ अलौकिक मूर्ति स्थापित है। इसके अलावा, यहां अन्य देवी-देवताओं के भी मंदिर हैं, जिनमें शीतला माता, काली माता, संतोषी माता, दक्षिणमुखी हनुमान जी, माता सती और शंकर जी के मंदिर प्रमुख हैं। इन मंदिरों में भी श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और आस्था व्यक्त करने के लिए नियमित रूप से पूजा अर्चना करते हैं।

नवरात्रि के दौरान यहां पूजा और अर्चना का विशेष महत्व है। श्रद्धालु पूरे दिल से मां महामाया से अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं। मंदिर में हर वर्ष विशेष पूजा आयोजनों का आयोजन किया जाता है, जिसमें सैकड़ों भक्त हिस्सा लेते हैं और इस दौरान भक्तों का आस्था और विश्वास और भी प्रगाढ़ हो जाता है। रामानुजगंज के इस पवित्र स्थल पर श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और यहां की आस्था का केंद्र बन चुका मां महामाया मंदिर निश्चित रूप से हर व्यक्ति के दिल में अपनी विशेष जगह बनाए हुए है।

अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड के लिये नामांकित छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग

अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड के लिये नामांकित हुआ छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग

स्थानीय निकायों के निर्वाचन 2025 के उत्कृष्ट प्रबंधन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग हुआ नामांकित

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग स्थानीय निकायों के निर्वाचन 2025 के उत्कृष्ट प्रबंधन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अवार्ड के लिए नामांकित हुआ है। आयोग को संयुक्त राष्ट्र लोक प्रशासन नेटवर्क द्वारा अवार्ड हेतु नामांकित किया गया है। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ के चुनाव प्रबंधन की पारदर्शिता, दक्षता और नवाचार की अंतर्राष्ट्रीय मान्यता है।राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह के नेतृत्व में मिली सफलता

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह के मार्गदर्शन और नेतृत्व में आयोग द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को ICPS ने स्वीकार किया है। आयोग द्वारा नगरपालिका एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 को एक साथ संपन्न कराने की पहल को ICPS ने उत्कृष्ट उपलब्धि मानते हुए विजेता अवार्ड अथवा तक के लिये नामांकित किया है। लोकतांत्रिक व्यवस्था पर शोधरत संस्था का मुख्यालय लंदन (यू.के.) स्थित मिलबैंक टावर में है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) की सहयोगी है तथा लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के अध्ययन, अनुसंधान करती है एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लोकतंत्र की मजबूती के लिए विभिन्न सरकारों को सुझाव देती है।

बोत्सवाना की राजधानी गेब्रोन में होगा अवार्ड समारोह

अवार्ड वितरण कार्यक्रम 1 अक्टूबर से 4 अक्टूबर 2025 के मध्य बोत्सवाना की राजधानी गेब्रोन में आयोजित होगा। ICPS ने आयोग के प्रतिनिधियों को समारोह में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया है। आयोग की ओर से श्री सुखनाथ अहिरवार, सचिव तथा श्री आलोक कुमार श्रीवास्तव, उप सचिव को अधिकृत किया गया है। शासन से विदेश प्रवास की अनुमति प्राप्त होने पर वे छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्रभु श्री रामलला दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

रायपुर। सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालुओं को प्रभु श्रीरामलला के दर्शन करने का सौभाग्य मिलने जा रहा है। संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल और कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने अंबिकापुर रेल्वे स्टेशन से श्रद्धालुओं के जत्थे को विशेष ट्रेन से रवाना किया। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई। श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना में अब तक 29 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम तथा आसपास के अन्य तीर्थस्थल की निःशुल्क यात्रा कराई जा चुकी है। संस्कृति मंत्री अग्रवाल और कृषि मंत्री नेताम ने श्रद्धालुओं के जत्थे को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल धार्मिक सफर नहीं बल्कि हमारी आस्था, भक्ति और संस्कृति से गहराई से जुड़ने का अवसर भी है। अयोध्या धाम की यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह था। कई श्रद्धालुओं ने बताया कि आज उनके जीवन की बड़ी तमन्ना पूरी होने जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना से अयोध्या धाम की यात्रा का अवसर मिल रहा है। श्रद्धालुओं ने छत्तीसगढ़ सरकार और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। इन श्रद्धालुओं ने बताया कि अयोध्या धाम और आसपास के तीर्थस्थलों की निःशुल्क यात्रा के साथ ही रूकने, ठहरने तथा अन्य आवश्यक इंतजाम सरकार द्वारा किए गए हैं।

सेवा पर्व : सोनाखान परिक्षेत्र में 'जल-जंगल यात्रा' का आयोजन

रायपुर। सेवा पर्व 2025 के अंतर्गत वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशों पर बलौदाबाजार वनमण्डल द्वारा ÷जल-जंगल यात्रा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वनमंडल अधिकारी श्री धम्मशील गनवीर के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम के तहत प्राथमिक शाला झालपानी के विद्यार्थियों को जल, जंगल और पर्यावरण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों को बताया गया कि जल संकट, प्लास्टिक प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों की कमी जैसी समस्याओं से बचने के लिए हमें मिलकर प्रयास करने होंगे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने शपथ ली कि वे प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करेंगे और अपने आस-पास सफाई बनाए रखेंगे। यह कार्यक्रम सोनाखान परिक्षेत्र के कोसमसरा सर्किल अंतर्गत बीट उत्तर झालपानी में प्रशिक्षु वनक्षेत्रपाल सुश्री आस्था यादव के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को समझाया कि हर नागरिक का छोटा-सा प्रयास भी पर्यावरण बचाने में बड़ा योगदान दे सकता है। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक, प्रधान पाठक, ग्राम पंचायत झालपानी के सरपंच, वन प्रबंधन समिति के सदस्य, वन चौकीदार और श्रमिक भी उपस्थित रहे।

शिविर में युवाओं को बीपीओ, एआई और स्टार्टअप क्षेत्रों में रोजगार की जानकारी

युवाओं को रोजगार दिलाने विशेष काउंसलिंग शिविर का किया गया आयोजन

रायपुर। मुख्यमंत्री मंशानुरूप जिला प्रशासन रायपुर द्वारा प्रोजेक्ट युवा 2.0 कार्यक्रम चलाया गया। आयोजन के तहत शहीद स्मारक भवन में एक दिवसीय काउंसलिंग शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं को बीपीओ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और स्टार्टअप जैसे उभरते हुए क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों से अवगत कराना था। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में उन्हें 300 से अधिक उद्योगों और विभिन्न कौशल क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार अवसरों की जानकारी दी गई। तकनीक और स्टार्टअप की मिली जानकारी विशेषज्ञों ने युवाओं को नई तकनीकों, स्टार्टअप शुरू करने की संभावनाओं और बीपीओ सेक्टर में उपलब्ध करियर विकल्पों के बारे में बताया। उन्होंने बताया तकनीक स्टार्टअप्स के लिए स्टार्टअप इंडिया बेहतर कार्य कर रही है। जो नवाचार, दक्षता और विकास को बढ़ावा देती है, और यह भारत जैसे देशों के लिए एक संपन्न स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाने में महत्वपूर्ण है। वित्तीय सहायता, सुलभ नीतियों और नियामक सरलीकरण द्वारा इन तकनीकी स्टार्टअप्स का समर्थन करती है, जिससे रोजगार सृजन और समावेशी आर्थिक विकास होता है। विशेषज्ञों ने युवाओं को नई तकनीकों, स्टार्टअप शुरू करने की संभावनाओं और बीपीओ सेक्टर में उपलब्ध करियर विकल्पों के बारे में बताया। उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप मिलेगा रोजगार इस शिविर में अधिकारियों ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि सही मार्गदर्शन और प्रशिक्षण से वे अपने करियर में आगे बढ़ सकते हैं। प्रोजेक्ट युवा 2.0 इसी दिशा में एक पहल है, जिसके माध्यम से युवाओं को उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप तैयार कर रोजगार से जोड़ा जाएगा। शिविर में उपस्थित युवाओं ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें भविष्य की दिशा तय करने में मदद मिलेगी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने दिव्यांगजनों को ट्रायसायकल एवं व्हीलचेयर का किया वितरण

रायपुर। सेवा पखवाड़ा के तहत दिव्यांगजनों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा अम्बिकापुर के राजमोहिनी देवी भवन में जिला स्तरीय दिव्यांगजन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने दिव्यांगजनों से मुलाकात कर उन्हें विभिन्न उपयोगी उपकरण ट्रायसायकल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र एवं सेंसर छड़ी वितरित की । इस दौरान उन्होंने दिव्यांगजनों से उनका कुशलक्षेम जाना तथा योजनाओं का लाभ लेने प्रोत्साहित किया। उन्होंने दिव्यांगजनों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं के बारे में पूछा तथा निराकरण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। शिविर के दौरान 13 ट्रायसायकल, 14 व्हीलचेयर, 06 श्रवण यंत्र तथा 03 सेंसर छड़ी प्रदान की गई। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि ''दिव्यांगता लोगों के विकास में बाधा नहीं बनेगी, हम आपकी दिव्यांगता को गतिशील बनाने हर संभव प्रयास कर रहे हैं। सभी दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकतानुसार योजनाओं का लाभ मिले इसके लिए हम लगातार कार्य कर रहे हैं''। उन्होंने दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकतानुसार सहायक उपकरण प्रदान किये जाने हेतु समाज कल्याण विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद दिव्यांगजनों को सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत पेंशन राशि नियमित प्राप्त हो, यह सुनिश्चित करें।शिविर में जिले के सभी विकासखंड, नगरीय निकाय से दिव्यांगजन बड़ी संख्या में शामिल हुए। शिविर में राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, यू.डी.आई.डी. कार्ड बनाए जाने हेतु विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। इस दौरान 12 दिव्यांगजनों का आधार कार्ड, 04 दिव्यांगजनों का राशन कार्ड, 06 दिव्यांगजनों का आयुष्मान कार्ड तथा 109 दिव्यांगजनों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र/यू.डी.आई.डी. कार्ड हेतु रजिस्ट्रेशन किया गया। शिविर में नगर पालिक निगम अंबिकापुर की महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे ।

अवैध कब्जों पर निगम ने की सख्त कार्रवाई, जलभराव से मिली राहत

रायपुर । राजधानी में अवैध कब्जों की वजह से लोगों को साखा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर प्रशासन को भी राजस्व की हानि होती है। इसी पर लगाम कसते हुए रायपुर नगर पालिक निगम जोन 8 की टीम ने गुरुवार को बड़े पैमाने पर कार्रवाई की। निगम अमला कबीर नगर गोल चौक से भगवान परशुराम चौक तक के मार्ग पर नाली के ऊपर बनाए गए लगभग एक दर्जन अवैध पाटों को तोड़ा। जिससे क्षेत्र में जलभराव की समस्या नहीं होगी। बताया जा रहा है तेज बारिश के बाद क्षेत्र में लगातार जलभराव की शिकायतें सामने आ रही थीं, जिन्हें गंभीरता से लेते हुए निगम ने मौके पर अभियान चलाया। निगम की टीम ने नाली की गहराई तक सफाई करवाई और सक्शन मशीन लगाकर पानी निकाला। साथ ही दुकानों के सामने सड़क सीमा पर पार्किंग के नाम पर बनाए गए तीन अवैध शेड भी हटाए गए।

टमाटर की लालिमा ने सँवारा जीवन : 50 हजार के ऋण से शुरू हुआ सफर,मंगली दीदी बनीं महिलाओं की प्रेरणा

रायपुर। आदि कर्मयोगी अभियान और छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में नई ऊर्जा भरी है। कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड के छोटे से गाँव अंगवाही की मंगली दीदी ने इसी योजना का लाभ उठाकर टमाटर उत्पादन के जरिए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिखी है। महज 50 हजार के ऋण से शुरू हुआ उनके स्वरोगार के सफर ने मंगली दीदी को महिलाओं की प्रेरणास्रसेत बना दिया है।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का लक्ष्य स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उनकी आजीविका को स्थायी रूप से बेहतर बनाना और गरीबी को कम करना है। यह मिशन ग्रामीण गरीब परिवारों को वित्तीय सेवाओं, कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसरों उपलब्ध कराता है, ताकि वे स्वावलंबी बन सकें। बिहान से जुड़ने के बाद मंगली दीदी ने स्व-सहायता समूह के माध्यम से 50 हजार रुपए का ऋण लेकर टमाटर की खेती शुरू की। जैविक खाद और आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर उन्होंने अब तक 200 कैरेट टमाटर का उत्पादन किया और लगभग 80 हजार रुपए की आमदनी अर्जित की है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में उत्पादन दोगुना होने की उम्मीद है, जिससे आमदनी 1.80 लाख रुपए से अधिक पहुँच सकती है। इस तरह मंगली दीदी कि किस्मत टमाटर की लालिमा से बदलने लगी है।

मंगली दीदी ने बताया कि ग्राफ्टेड पौधों और जैविक खाद की बदौलत उनके टमाटर की बेहतर गुणवत्ता के कारण स्थानीय बाजार में अच्छी कीमत मिल पा रही हैं। यही वजह है कि आज मंगली दीदी गाँव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं और ÷लखपति दीदी÷ अभियान की सशक्त मिसाल भी है। उनका अगला लक्ष्य अन्य सब्जियों की खेती करना और अधिक से अधिक महिलाओं को इस कार्य से जोड़ना है ताकि गाँव की सभी महिलाएं आत्मनिर्भर बन सके।

महिला कृषकों के लिये उपयुक्त सहयोगी कृषि उपकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

रायपुर। महिला कृषकों के लिये उपयुक्त सहयोगी कृषि उपकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्नप्रदेश में ÷महिला कृषकों के लिये उपयुक्त सहयोगी कृषि उपकरण विषय पर 22 सितंबर से 24 सितंबर तक आयोजित तीन दिसवीय प्रशिक्षण कार्यक्रम÷ सम्पन्न हुई। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विकासखंड धरसीवां के ग्राम सिलतरा में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, ट्रैक्टर नगर, बुदनी मध्यप्रदेश, राज्य स्तरीय कृषि यंत्र परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर, कृषि विज्ञान केन्द्र रायपुर एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की गई थी।

प्रशिक्षण कार्यशाला के पहले दिन पंजीयन उपरांत प्रशिक्षण की रूपरेखा से अवगत कराया गया तथा बुदनी में वर्ष भर होने वाले आवासीय प्रशिक्षणों के संबंध में जानकारी दी गयी। कार्यशाला में बताया गया कि प्रशिक्षण प्राप्त करके ना सिर्फ महिलायें बल्कि गांव के युवा वर्ग ग्रामीण आजीविका का एक नया साधन स्वयं के लिये बना सकते हैं। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम निशुल्क रहते हैं तथा तिथिवार प्रशिक्षण कैलेंडर संस्थान की वेबसाईटमें उपलब्ध रहता है। यह संस्थान भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत आता है। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि वर्ष 1955 से किसानों के हित व कृषि क्षेत्र में मशीनीकरण को बढ़ावा देने का कार्य इस संस्थान द्वारा किया जा रहा है। महिलाओं हेतु उपयोगी कृषि उपकरणों की भी जानकारी दी गई।महिला कृषकों के लिये उपयुक्त सहयोगी कृषि उपकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न प्रशिक्षण के दूसरे दिन निंदाई-गुड़ाई एवं उद्यानिकी फसलों के लिए उपयोग किये जाने वाले उपकरणों जैसे खुरपी, सेरेटेड हंसिया, हैण्ड हो, सिकेटियर, ट्री प्रूनर, हेज सियर (कैंची) आदि के उपयोग के संबंध में विस्तार से बताया गया। साथ ही छिड़काव के लिये उपयोग होने वाले सभी प्रकार के स्प्रेयर जैसे कि हैण्ड स्प्रेयर, हस्तचलित नैपसेक स्प्रेयर, बैटरी चलित नैपसेक स्प्रेयर, इंजन चलित नैपसेक स्प्रेयर के विषय में भी प्रदर्शन कर विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के तीसरे दिन महिलाओं को इंजिन चलित वीडर जिसका उपयोग निंदाई के लिए, ब्रश कटर जिसका उपयोग झाड़ियों की कटाई-छंटाई के लिए, डिबलर जिसका उपयोग बीजों को उचित दूरी पर बोने की जानकारी दी गई। वहीं चाफकटर, मिनी राईस मिल मसाला मशीन के विषय में बताया गया। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं द्वारा पूछे गये प्रश्नों का समाधान भी किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिलतरा एवं आसपास के गांव मटिया, बरबंदा, टांडा, नेउरडीह आदि की कृषक उत्पादक संगठन एवं समूह से जुड़ी लगभग 250 महिलाओं ने भाग लिया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, बुदनी से श्री रॉय सिंह गुर्जर, तकनीकी सहायक श्री कोमल सिंह, वरिष्ठ तकनीशियन, राज्य स्तरीय कृषि यंत्र परीक्षण प्रयोगशाला, रायपुर से श्री आलोक पाल, सहायक अभियंता, श्री प्रवीण वर्मा, यांत्रिक सहायक, कृषि विज्ञान केन्द्र रायपुर, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर से डॉ. राजेश कुमार अग्रवाल, विषय वस्तु विशेषज्ञ सहित कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) सत्य साईं महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति, टेकारी की अध्यक्ष सुश्री गिरिजा बंजारी सहित महिला कृषक शामिल थी।

मैनपाट के ग्राम रोपाखार में राज्य का पहला ग्रामीण गार्बेज कैफे

कलेक्टर ने किया निरीक्षण, नवाचार की सराहना

रायपुर । स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सरगुजा जिले के मैनपाट जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत रोपाखार में राज्य का पहला ग्रामीण गार्बेज कैफे प्रारंभ किया गया है। यह नवाचार पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक अपशिष्ट के स्थानीय संग्रहण और ग्रामीण आजीविका संवर्धन की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। यह पहल जिला प्रशासन सरगुजा, एलआईसी एचएफएल ग्रीन टुमॉरो परियोजना एवं फिनिश सोसायटी के सहयोग से संचालित की जा रही है। इसका उद्देश्य है ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरे का समुचित प्रबंधन, पर्यावरणीय जागरूकता का प्रसार एवं ग्रामीण महिलाओं की आजीविका को सशक्त करना। कलेक्टर सरगुजा एवं जिला पंचायत सीईओ ने मैनपाट क्षेत्र भ्रमण के दौरान इस ग्रामीण गार्बेज कैफे का अवलोकन किया और इसे प्रशंसनीय नवाचार बताया। उन्होंने संबंधित विभागों और भागीदारी संस्थाओं को इस मॉडल को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। इस कैफे का संचालन कार्ब हट किचन, रोपाखार में किया जा रहा है। ग्रामीण या पर्यटक एक किलो साफ प्लास्टिक (जैसे सफेद प्लास्टिक, पानी की बोतल, एल्युमिनियम कैन, कांच की बोतल आदि) लाकर नाश्ता प्राप्त कर सकते हैं। दो किलो प्लास्टिक के बदले भोजन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। इस नवाचार से न केवल स्वच्छता बढ़ेगी बल्कि प्लास्टिक अपशिष्ट का पुनः उपयोग भी संभव होगा। इस योजना से जुड़ी स्वच्छताग्राही दीदियां गांव-गांव में सफाई और अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य कर रही हैं। कलेक्टर ने दुकानदारों एवं स्थानीय नागरिकों से यूजर चार्ज नियमित रूप से भुगतान करने की अपील की, जिससे दीदियों की आजीविका मजबूत हो सके और योजना की सततता बनी रहे।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

आपदा आने के पूर्व हो प्रबंधन

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार उत्तराखंड में बारिश से राहत मिलने के फिलहाल कोई आसार नहीं हैं। देहरादून और नैनीताल में भारी बारिश, गर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी है। देहरादून के सहस्त्रधारा में बादल फटने के बाद भारी तबाही हुई है। नदियों में उफान से कई लोगों की मौत हो गई है और ढेरों लापता हैं। उत्तराखंड के कुछ इलाकों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। तेरह पुल प्रभावित बताए जा रहे हैं। ऋषिकेश में चन्द्रभागा नदी का जलस्तर सामान्य से ऊपर होने के चलते विशेष चेतावनी दी गई है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल जलधाराओं में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने में भारी मशक्कत कर रहा है। राज्य की सड़कें, पुल, बिजली की तारें, संचार व्यवस्था सब बुरी तरह प्रभावित होने से स्थानीय नागरिकों का जीना बेहाल है। जिन परिवारों के घर बह गए या ढह गए, उनकी रिहाइश और जीवन यापन की आवश्यकताओं को लेकर भारी दिक्कते हैं।

तुमने जो न पढ़ी मैं वो किताब हूं।

शब्दों का नहीं जज्बातों का सैलाब हूं,
अपनी भूली मुलाकातों का हिसाब हूँ।

हजारों जुगनू रातों में देखें आसमान पर,
रातों चमकती रोशनी का आफ्ताब हूंद्य

दुनिया की भीड़ में खो ना जाना
एक झलक पाने कितना बेताब हूं।

तुम्हारे लिए कितनी ग़ज़लें लिखी,
तुमने जो न पढ़ी मैं वो किताब हूं।

तुम्हें न जाने कितने खत लिखे,
तुमने नही दिया जो वो जवाब हूं।

मेरे शेरों को पसंद भले ना करो।
तुम्हारा ही दिया पुराना खिताब हूं।

संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

लुत्फ उठाइए भविष्य के स्वाद का

चिराग पासवान
केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार

चिराग पासवान द्वारा

केंद्रीय मंत्री के रूप में सितंबर 2024 में मेरा पहला वर्ल्ड फूड इंडिया (डब्ल्यूएफआई) मेरे लिए यादगार अनुभव रहा । उन चार दिनों के दौरान, मैंने खेत से लेकर भोजन की थाली तक के पूरे इकोसिस्टम : वैश्विक खरीदारों के साथ राज्यों के मंडप, प्रौद्योगिकी के प्रदर्शनों के साथ-साथ एफपीओ और एसएचजी, और निवेश घोषणाओं के साथ-साथ नीतिगत संवाद को - एक साथ आते देखा। इसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के दृष्टिकोण के अनुरूप भारत को विश्व की खाद्य टोकरी बनाने के एक रणनीतिक मंच के रूप में डब्ल्यूएफआई की भूमिका की पुष्टि की

उस अनुभव ने 2025 की रूपरेखा तैयार की । खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की यात्राओं, उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ संवाद तथा गल्फूड और डब्ल्यूईएफ जैसे वैश्विक मंचों पर भागीदारी से मेरी यह धारणा और ज्यादा प्रबल हुई कि दुनिया को भारत की कृषि-खाद्य विविधता और क्षमताओं को देखने की जरूरत पहले से कहीं अधिक है । हमने अगले संस्करण को और भी ज्यादा साहसिक और परिणाम-केंद्रित बनाने, नवाचार को निवेश में बदलने और भारत को विश्वसनीय वैश्विक खाद्य केंद्र के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया।

इस महत्वाकांक्षा को नीतिगत अनुकूल परिस्थितियों, खासकर अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों से बल मिला है। अधिकांश प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर पाँच या शून्य प्रतिशत कर लगाकर, इन सुधारों ने इस क्षेत्र के लिए अनुकूल और प्रतिस्पर्धी माहौल तैयार किया है।

इस पृष्ठभूमि के साथ, हम 25 से 28 सितंबर तक डब्ल्यूएफआई 2025 की मेज़बानी के लिए तैयार हैं। इसका उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री करेंगे, जो इस क्षेत्र के लिए सरकार की उच्च प्राथमिकता को इंगित करता है। इस संस्करण में न्यूज़ीलैंड और सऊदी अरब भागीदार देश होंगे, जबकि जापान, संयुक्त अरब अमीरात, वियतनाम और रूस फ़ोकस देश होंगे। सहकारी संघवाद का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 21 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश स्थानीय खूबियों की झलक दिखाने वाले मंडपों के साथ इस आयोजन को समृद्ध करेंगे। डब्ल्यूएफआई प्रमुख प्रदर्शनियों और बी2बी मंचों के साथ ही साथ, एफएसएसएआई द्वारा तीसरे वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन और एसईएआई द्वारा 24वें इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो की मेज़बानी करेगा।

डब्ल्यूएफआई पूरी तरह सरकारी तंत्र की शक्ति से संचालित होता है। जहाँ एक ओर, हमारा मंत्रालय नेतृत्व करता है, वहीं हम मूल्य श्रृंखला के सभी मंत्रालयों जैसे - पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन, वाणिज्य, डीपीआईआईटी, कृषि एवं किसान कल्याण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और उनके अधीन एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं ताकि उत्पादन, मानक, व्यापार और निवेश आपसी तालमेल से आगे बढ़ सकें।

डब्ल्यूएफआई का एजेंडा पाँच प्रमुख स्तंभोंः स्थिरता और नेट-ज़ीरो खाद्य प्रसंस्करण; वैश्विक खाद्य प्रसंस्करण केंद्र के रूप में भारत; खाद्य प्रसंस्करण, उत्पाद और पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों में अग्रणी; पोषण और स्वास्थ्य के लिए प्रसंस्कृत खाद्य तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने वाले पशुधन एवं समुद्री उत्पाद-पर आधारित है। प्रत्येक स्तंभ को विशेष रूप से तैयार किए गए सत्रों, बी2बी बैठकों और अपनाने के तरीकों के साथ जोड़ा गया है, ताकि भागीदारी चर्चा से आगे कार्यान्वयन तक बढ़ सके।

पीएमएफएमई लघु-उद्यमियों की उल्लेखनीय सफलता डब्ल्यूएफआई के प्रभाव को दर्शाती है। निःशुल्क स्टॉल उन्हें आयोजन के केंद्र में बनाए रखते हैं, जिससे उनका घरेलू और वैश्विक दिग्गजों के साथ जुड़ाव संभव होता है। उनकी भागीदारी से करोड़ों के व्यापारिक ऑर्डर और स्थायी साझेदारियाँ प्राप्त हुई हैं। इस वर्ष भी कई उद्यमी लौट रहे हैं, क्योंकि हम गर्व सहित भारत के सबसे छोटे खाद्य उद्यमियों के लिए भी समान अवसर सुनिश्चित करते हैं।

डब्ल्यूएफआई का मुख्य आकर्षण सीईओ गोलमेज चर्चा है, जहाँ उद्योग जगत के दिग्गज, निवेशक और नीति निर्माता सहयोग को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए रणनीतिक संवाद में भाग लेते हैं। उल्लेखनीय है कि 2024 में यहाँ उठाए गए जीएसटी संबंधी मुद्दों ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों को जन्म दिया, जो हमारी सरकार के परामर्शी और उत्तरदायी दृष्टिकोण को दर्शाता है।

सही मायनों में समग्र होने के लिए, डब्ल्यूएफआई होरेका और एल्कोबेव क्षेत्रों सहित सभी हितधारकों को शामिल करता है और सभी उप-क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देता है। हम जैविक और टिकाऊ उत्पादों से समृद्ध अपने पूर्वोत्तर क्षेत्र को भी प्रमुखता दे रहे हैं। इसका मंडप पूर्वोत्तर को वैश्विक स्तर पर भारतीय जैविक ब्रांडों के लिए लॉन्चपैड बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए असम की चाय से लेकर मेघालय की हल्दी तक सब कुछ प्रदर्शित करेगा।

डब्ल्यूएफआई की विश्वसनीयता इसके काम के प्रदर्शन पर आधारित है। 2017 से, इसने 38,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का निवेश हासिल किया है। 2024 के संस्करण में 1,500 से ज़्यादा प्रदर्शक और 20 कंट्री पेवेलियन शामिल हुए, जिससे 93 मिलियन डॉलर के व्यापारिक ऑर्डर मिले। 50 से ज़्यादा नई प्रसंस्करण इकाइयों का उद्घाटन किया गया, 25,000 लघु उद्यमों को सब्सिडी दी गई और 245 करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश से एसएचजी की 70,000 महिलाओं को मदद मिली। 1,100 से ज़्यादा क्यूआर-कोडेड अचार की किस्मों वाली एक वॉल, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है, छोटे उत्पादकों के लिए सीधी बाज़ार पहुँच को दर्शाती है। ये उपलब्धियाँ डब्ल्यूएफआई को निवेश, नवाचार और समावेशी विकास के एक सतत इंजन के रूप में रेखांकित करती हैं।

डब्ल्यूएफआई के लिए सबसे मज़बूत समर्थन खुद उद्योग जगत से ही आता है। प्रदर्शनी के लिए बुक किया गया कुल क्षेत्रफल 43त्न बढ़कर, एक साल में 70 हज़ार वर्ग मीटर से बढ़कर 1 लाख वर्ग मीटर हो गया है, जो विकास और साझेदारी के लिए बाज़ार के इस प्लेटफ़ॉर्म पर अपार विश्वास को इंगित करता है।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 एक सरल तर्क : जब नवाचार निवेश और मानकों से मिलता है, तो समृद्धि अपने आप आती है - को साकार करता है। यही वह स्थान है, जहाँ एक स्टार्ट-अप अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के सामने अपना आइडिया प्रस्तुत कर सकता है, एक एसएचजी ऑर्गेनिक अचार के लिए खरीदार ढूंढ सकता है, और राज्य बहुराष्ट्रीय संयंत्रों को आकर्षित कर सकते हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा है, भारत की खाद्य विविधता प्रत्येक वैश्विक निवेशक के लिए लाभांश है। खाद्य प्रसंस्करण ही वह कड़ी है, जो इस क्षमता को रोज़गार, किसानों की बेहतर आमदनी और अधिक मूल्यवर्धित निर्यात में बदल देती है।

सभी पाठकों, हितधारकों और शुभचिंतकों के लिएः वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 में हमारे साथ जुड़िए और इस बात के साक्षी बनिए- कि किस प्रकार 1.4 बिलियन आबादी वाला राष्ट्र तकनीक, नवाचार और समर्पण से ÷ समृद्धि के लिए प्रसंस्करण÷ कर रहा है। तो तैयार हो जाइए, एक ऐसे आयोजन के लिए - जहाँ साहसिक दृष्टिकोण और शानदार स्वाद मिलकर संभावनाओं की एक नई दुनिया को प्रेरित करते हैं।

(लेखक केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री हैं। ये लेखक के निजी विचार हैं।)

नरेन्द्र मोदी : राजनीतिक अभिजात वर्ग को चुनौती देने वाले जननायक

शिवराज सिंह चौहान
केन्द्रीय कृषि मंत्री

भारतीय राजनीति में नरेन्द्र मोदी के उदय को विशेषाधिकार के पारंपरिक लेंस से नहीं समझा जा सकता। राजनीतिक वंशों में पले-बढ़े अनेक नेताओं के विपरीत, मोदी और उनकी नेतृत्व शैली ज़मीन से उभरी है, जिसने उनके संघर्ष, वर्षों से ज़मीनी स्तर पर किए गए कार्यों और सरकार के विभिन्न स्तरों पर प्राप्त व्यवहारिक अनुभवों से आकार लिया है। उनका करियर मात्र एक व्यक्ति के उत्थान को ही प्रदर्शित नहीं करता, बल्कि यह भारत में अभिजात वर्ग द्वारा संचालित राजनीति की नींव के लिए एक चुनौती भी है।

वडनगर के एक साधारण परिवार में जन्मे मोदी का बचपन ज़िम्मेदारी और सादगी से भरपूर रहा। बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए चैरिटी स्टॉल लगाने से लेकर स्कूली छात्र के रूप में जातिगत भेदभाव पर आधारित नाटक लिखने तक, उन्होंने अल्पायु में ही संगठनात्मक कौशल और सामाजिक सरोकार का अद्भुत मिश्रण प्रदर्शित किया। उन्होंने वंचित सहपाठियों के लिए पुरानी किताबें और वर्दियाँ इकट्ठा करने के अभियान भी चलाए, जो इस बात का प्रारंभिक संकेत था कि वह नेतृत्व को किसी विशेषाधिकार के रूप में नहीं, बल्कि सेवा के रूप में देखते हैं। इन छोटे-छोटे प्रयासों ने उनके द्वारा सार्वजनिक जीवन में अपनाए जाने वाले दृष्टिकोण का पूर्वाभास करा दिया।

उनकी मूलभूत प्रवृत्तियाँ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में और भी प्रखर हुईं, जहाँ साधारण कार्यकर्ताओं को ग्रामीणों से घुलने-मिलने, उनके जैसा जीवन व्यतीत करने और अपने आचरण के जरिए उनका विश्वास अर्जित करने का प्रशिक्षण दिया जाता था। एक युवा प्रचारक के तौर पर मोदी ने बिल्कुल वैसा ही किया। अक्सर बस या स्कूटर से गुजरात भर में यात्रा करते हुए, और भोजन व आश्रय के लिए ग्रामीणों पर निर्भर रहते हुए, उन्होंने साझा कठिनाइयों और संघर्षों के माध्यम से सभी वर्गों का विश्वास अर्जित किया। इस अनुशासन ने उन्हें उन लोगों के रोज़मर्रा के सरोकारों से जुड़े रहने में मदद की, जिनकी वे सेवा करना चाहते थे, और इसी ने उन्हें संकटकाल में संगठित, बड़े पैमाने पर कदम उठाने की आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने के लिए भी तैयार किया।

ऐसा ही एक संकट 1979 में मच्छू बांध के टूटने से आया था, जिसमें हज़ारों लोग मारे गए थे। 29 वर्षीय मोदी ने तुरंत स्वयंसेवकों को पालियों में संगठित किया, राहत सामग्री का प्रबंध किया, शवों को निकाला और परिवारों को सांत्वना दी। कुछ साल बाद, गुजरात में सूखे के दौरान, उन्होंने सुखड़ी अभियान का नेतृत्व किया, जो पूरे राज्य में फैल गया और लगभग 25 करोड़ रुपये मूल्य का भोजन वितरित किया गया। दोनों ही आपदाओं में, उन्होंने बिल्कुल आरंभ से ही बड़े पैमाने पर राहत प्रयास शुरू किए, जिससे उनके उद्देश्य की स्पष्टता, उनके सैन्य-शैली के संगठन और उनका इस आग्रह का परिचय मिला कि नेतृत्व का अर्थ केवल प्रतीकात्मकता नहीं, बल्कि सेवा है।

इन शुरुआती घटनाओं ने जहाँ एक ओर लोगों को संगठित करने की उनकी क्षमता को परखा, वहीं आपातकाल ने दमन के दौर में उनके साहस की परीक्षा ली। मात्र 25 वर्ष की आयु में, एक सिख के वेश में, उन्होंने पुलिस निगरानी से बचने की कोशिश कर रहे कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच संवाद कायम रखा। इस ज़मीनी नेटवर्क ने क्रूर शासन के विरुद्ध प्रतिरोध को जीवित रखा, जिससे उन्हें एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में ख्याति मिली।

इन्हीं कौशलों का उपयोग जल्द ही चुनावी राजनीति में भी किया गया। भाजपा - गुजरात के संगठन मंत्री के रूप में, उन्होंने पार्टी का विस्तार नए समुदायों तक किया, जिनमें राजनीतिक विमर्श में हाशिए पर पड़े लोग भी शामिल थे। उन्होंने विविध पृष्ठभूमियों के नेताओं को तैयार किया, ज़मीनी स्तर पर समर्थन जुटाया और पूरे गुजरात में लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ-अयोध्या रथ यात्रा जैसे बड़े आयोजनों की योजना बनाने में मदद की। बाद में, विभिन्न राज्यों के प्रभारी के रूप में उन्होंने बूथ स्तर तक मज़बूत पार्टी तंत्रों का निर्माण किया।

साल 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के पद पर आसीन होने पर उन्होंने ये सबक शासन में लागू किए। उदाहरण के लिए, पदभार ग्रहण करने के चंद घंटे बाद ही उन्होंने साबरमती में नर्मदा का जल लाने के विषय में एक बैठक बुलाकर इस बात का संकेत दिया कि निर्णायक कार्रवाई उनके प्रशासन को परिभाषित करेगी। उनका दृष्टिकोण शासन को एक जन आंदोलन बनाना था, जहाँ प्रवेशोत्सव ने स्कूलों में नामांकन को प्रोत्साहित किया, कन्या केलवणी ने बालिकाओं की शिक्षा का समर्थन किया, गरीब कल्याण मेलों ने कल्याण को नागरिकों तक पहुँचाया, और कृषि रथ ने कृषि सहायता को किसानों के खेतों तक पहुँचाया। नौकरशाहों को दफ्तरों से निकालकर कस्बों और गाँवों तक भेजा गया। उनका मानना है कि शासन लोगों तक वहाँ पहुँचे जहाँ वे रहते हैं, न कि केवल मीटिंग कक्षों तक सीमित रहे।

उनके प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद गुजरात में किए गए प्रयोग राष्ट्रीय आदर्श बन गए। स्वच्छता अभियानों के उनके अनुभव ने स्वच्छ भारत मिशन का रूप लिया, जहाँ उन्होंने प्रतीकात्मकता को सामूहिक कार्रवाई में बदलने के लिए स्वयं झाड़ू उठाई। डिजिटल इंडिया, जन-धन योजना और अन्य पहल शीर्ष से शुरू किए गए कार्यक्रम नहीं थे, बल्कि जमीनी स्तर पर बिताए उनके वर्षों से प्राप्त सीखों पर आधारित जन-आंदोलन थे। इन्होंने जन-भागीदारी के उनके दर्शन को मूर्त रूप दिया, जहाँ शासन तभी कारगर होता है, जब नागरिक निष्क्रिय प्राप्तकर्ता न बने रहकर, स्वयं भागीदार बनें। मोदी जैसे नेता और जनता के बीच दशकों से विकसित इसी विश्वास ने आज के भारत में नीति को साझेदारी में बदल दिया है।

दशकों से, मोदी बैठकों में होने वाली बहसों से नहीं, बल्कि ज़मीनी स्तर पर जीवंत संपर्क की बदौलत लोगों की ज़रूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने के तरीकों को जानने की दुर्लभ सहज प्रवृत्ति प्रदर्शित करते आए हैं। यह प्रवृत्ति कठोर प्रशासनिक अनुभव के साथ मिलकर उनकी राजनीति को परिभाषित करती है।

मूलभूत रूप से, उनके जीवन और नेतृत्व ने भारतीय राजनीति के केवल अभिजात वर्ग से संबद्ध होने की धारणा को नए सिरे से परिभाषित किया है। वह योग्यता और परिश्रम का प्रतीक बन चुके हैं तथा वह शासन को जनसाधारण के और करीब ले आए हैं। उनकी राजनीतिक शक्ति सत्ता को जनता से जोड़ने में निहित है। ऐसा करके, उन्होंने भारतीय राजनीति को एक नया रूप दिया है, जो आम नागरिक के संघर्षों और भावनाओं पर आधारित है।

यह निजी विचार है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच

डॉ. आर. बालसुब्रमण्यम

देश लोक प्रशासन में सुधार के अभूतपूर्व प्रयास कर रहा है। अब न केवल अधिकारियों के प्रशिक्षण के तरीके बदल रहे हैं, बल्कि उनकी सेवा के मायनों में भी बदलाव आ रहा है। मिशन कर्मयोगी-लोक सेवा क्षमता निर्माण का राष्ट्रीय कार्यक्रम है और इस बदलाव में इंजन की भूमिका निभा रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच झलकती है। 25 वर्षों से अधिक समय तक सरकार चलाने और पांच दशकों से अधिक सार्वजनिक जीवन का अनुभव रखने वाले मोदी, व्यवस्थाओं के प्रति एक संचालक जैसी समझ, जड़ आदतों के प्रति एक सुधारक जैसी अधीरता, और ध्रुव तारे की तरह स्पष्ट-नागरिक-प्रथम, विकसित भारत के उद्देश्य को सामने रखते हैं।

मिशन कर्मयोगी की खासियत यह है कि यह केवल दिखावे भर के लिए मानव संसाधन सुधार नहीं है। यह देश की लोक सेवाओं की मूल्य-आधारित परिवर्तनकारी पुनर्रचना है और इसका मुख्य ध्यान प्रदर्शन पर है। यह कार्यक्रम तीन निर्णायक बदलावों को संहिताबद्ध करता हैः पहला बदलाव; सरकारी अधिकारियों की मानसिकता में बदलाव है, यानी स्वयं को कर्मचारी मानने से लेकर कर्मयोगी मानने तक का सफर है। दूसरा बदलाव; कार्यस्थल में बदलाव है, इसमें प्रदर्शन के लिए व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी सौंपने से लेकर प्रणालीगत प्रदर्शन बाधाओं का निदान और उन्हें दूर करने तक का बदलाव शामिल है। तीसरा बदलाव; सार्वजनिक मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली और उससे जुड़ी क्षमता निर्माण प्रणाली को नियम-आधारित से भूमिका-आधारित बनाना है।

यह संरचना स्पष्ट रूप से मोदी के इक्कीसवीं सदी के शासन की मांगों के दूरदर्शी ढांचे से उभर कर सामने आई है। यह जीवंत नेतृत्व का परिणाम है। मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में, मोदी ने एक समग्र सरकारी संस्कृति को बढ़ावा दिया-अलग-अलग क्षेत्रों में अलगाव को खत्म किया, मंत्रियों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में बहस पर बल दिया, और फाइलों को आगे बढ़ाने की बजाय सिस्टम समाधानों को प्राथमिकता दी। यह भावना महामारी के दौरान दिखाई दी, जब सरकार, उद्योग, नागरिक समाज और नागरिक स्वयंसेवकों के सभी स्तरों पर 'टीम इंडिया' एक साझेदारी मॉडल के रूप में आगे बढ़ी। उन्होंने नेतृत्व की आदतों को संरचनाओं में भी ढाला।

जो चिंतन शिविर-आवासीय, पदानुक्रम-समतल विचार-मंथन सत्र-गुजरात में शुरू किए गए थे वे अब केंद्र सरकार की कार्यपुस्तिका का हिस्सा हैं। निरंतर सीखने पर उनका बल व्यक्तिगत है। अपने ज्ञान और कौशल का निरंतर विस्तार करने के अलावा, वे यह भी जांचने के लिए जाने जाते हैं कि क्या प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारी आईजीओटी डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। संस्थागत स्मृति के साथ उनके व्यवहार में बहुत समावेशीता है। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, उन्होंने मंत्रियों से दशकों तक एक तरह से व्यवस्था से भली-भांति परिचित अपने सहायकों और अनुभाग अधिकारियों से सीखने का आग्रह किया।

जमीनी स्तर पर, सुधार की रीढ़ उद्देश्यपूर्ण तकनीक है। आईजीओटी-कर्मयोगी प्लेटफॉर्म एक व्यापक, कभी भी और कहीं भी सीखने का ईको सिस्टम है। इसमें 3,000 से ज्यादा स्व-प्रगति पाठ्यक्रम हैं जो सभी के लिए सुलभ हैं और सीखने को लोकतंत्रात्मक बनाते हैं। मिशन कर्मयोगी प्राचीन सभ्यतागत ज्ञान को आधुनिक शासन-कला के साथ जोड़ता है-विकास, गर्व, कर्तव्य और एकता जैसे संकल्पों के साथ-साथ स्वाध्याय, सहकार्यता, राजकर्म और स्वधर्म (नागरिकों पर ध्यान) जैसे व्यक्तिगत गुणों को भी समाहित करता है।

यह कोई पुरानी यादें नहीं हैं; यह उच्च तकनीक युग के लिए एक व्यावहारिक नैतिकता है, जो यह सुनिश्चित करती है कि योग्यता चरित्र में समाहित हो। नागरिक-केंद्रितता-जनभागीदारी-दूसरा स्तंभ है। प्रधानमंत्री मोदी बार-बार इस बात पर जोर देते रहे हैं कि प्रत्येक सार्वजनिक निर्णय के केंद्र में नागरिक होने चाहिए। यही उनका शासन मंत्र है। व्यवहार में नागरिक सहभागिता दोतरफा समझौता बन जाती है। नीति और क्रियान्वयन में लोगों की भागीदारी होती है और अधिकारी अंतिम छोर पर खड़े अंतिम नागरिक की सेवा के लिए तैयार होते हैं। मिशन कर्मयोगी इस समझौते के लिए मानसिकता और तरीके विकसित करने का राज्य का साधन है।

आत्मनिर्भरता इसकी पूरक है। यह एकाकीपन नहीं है; यह खुलेपन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा से प्रेरित क्षमता और आत्मविश्वास है। यही दृष्टिकोण क्षमता निर्माण के प्रयासों और माईगव जैसे प्लेटफॉर्म के व्यापक प्रसार में भी दिखाई देता है, जो नागरिकों को निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं, बल्कि सह-निर्माता बनाता है। यह कथा भारत के सभ्यतागत लोकाचार में निहित है-और संस्थानों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में फलने-फूलने के लिए तैयार करती है। सीधे शब्दों में कहें तो, मिशन कर्मयोगी एक दूरदर्शी विचार को एक व्यवस्था में बदल देता है।

यह प्रधानमंत्री मोदी के शासन के लंबे दायरे-उनकी सीमाओं को तोड़ने की सहज प्रवृत्ति, तकनीक के साथ उनका सहज व्यवहार, संस्थागत स्मृति के प्रति उनके सम्मान और उनकी नैतिक शब्दावली-को एक दोहराए जाने योग्य संचालन मॉडल में बदल देता हैः भूमिका-आधारित मानव संसाधन; निरंतर, डिजिटल शिक्षा; नागरिक भागीदारी; और सभ्यता पर आधारित नैतिकता इसमें समाहित हैं। इस तरह आप किसी देश को भविष्य के लिए तैयार करते हैं। अगर भारत इसी राह पर चलता रहा, तो इसका फायदा सिर्फ तेज गति से आगे बढ़ने वाली काम की फाइलों और व्यवस्थित संगठनात्मक चार्ट में ही नहीं, बल्कि भरोसे में भी दिखेगा। नागरिक एक ऐसी सरकार का अनुभव करेंगे जो सुनती है, सीखती है और काम करती है। यही प्रधानमंत्री मोदी के दांव का मूल है। और यही वजह है कि मिशन कर्मयोगी, हाल के दशकों के किसी भी प्रशासनिक सुधार से ज्यादा, अपने असली रूप में देखा जाना चाहिए। यह लोगों की सेवा करने वाले लोगों में एक पीढ़ीगत निवेश है और इसे एक ऐसे नेता ने तैयार किया है जिसने अपना जीवन लोगों की सेवा में ही लगा दिया है।

(डॉ. बालसुब्रमण्यम, केंद्र सरकार के क्षमता निर्माण आयोग के मानव संसाधन सदस्य हैं। लेख में विचार निजी हैं)

राष्ट्रहित के हर मुद्दे में कांग्रेस ने किया है विरोध –संजय पांडे

जीएसटी सुधार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन एवं समर्थन में नगर निगम में विशेष सम्मेलन में किया गया प्रस्ताव पारित--संजय

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आर्थिक महाशक्ति बनने की तरफअग्रसर-- संजय पांडे

जगदलपुर-- लोकशक्ति

नगर पालिका निगम जगदलपुर में शुक्रवार को जीएसटी सुधार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन एवं समर्थन में विशेष सम्मेलन निगम अध्यक्ष खेम सिंह देवांगन की अध्यक्षता में सर्व सम्मती से प्रस्ताव पारित किया गया। सर्वप्रथम विशेष सम्मेलन की शुरुआत वंदे मातरम राष्ट्रगीत एवं अरपा पैरी लोकगीत के माध्यम से की गई।

महापौर संजय पांडे ने कहा इस विशेष सम्मेलन में एक ऐसे युग पुरुष का अभिनंदन करने हेतु एकत्रित हुए हैं जिन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। प्रधानमंत्री ने सरल कर प्रणाली -सरल भारत के दृष्टिकोण से वस्तु एवं सेवा कर जैसे ऐतिहासिक सुधार को साकार किया है। यह सुधार केवल कर व्यवस्था का परिवर्तन नहीं बल्कि एक भारत- एक कर- एक बाजार की अवधारणा को जीवन में उतारने का निर्णय है। प्रधानमंत्री ने जटिल करो की उलझनो को समाप्त किया, करदाताओं की पारदर्शिता और विश्वास को मजबूत किया। भारत की प्रति स्पर्धात्मकता को वैश्विक मंच पर सुदृढ़ किया, इन सुधारो को कृषि, व्यापार, महिलाओं, युवाओं और मध्यम वर्ग जैसे क्षेत्रों को लाभ पहुंचाने भारत की आर्थिक नीव को मजबूत करने और नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया। किसानों विशेष कर ग्रामीण क्षेत्रों में को कम

अनुपालन और तेज रिफ्ंड से लाभ होगा जिससे वह कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे. महापौर ने कहा 60 साल तक वित्तीय स्कूल लूटने वाली कांग्रेस ,राष्ट्रहित के हर मुद्दे पर हमेशा विरोध किया है जैसे धारा 370 हटाने की बात हो,राम मंदिर निर्माण की बात हो,तीन तलाक की बात हो, नागरिक संशोधन अधिनियम हो, सर्जिकल स्ट्राइक एयर स्ट्राइक हो या एक राष्ट्र एक चुनाव हो कांग्रेस के लोगों ने हमेशा विरोध किया है।

इस विशेष सम्मेलन में हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हम विश्वास दिलाना चाहते हैं कि स्थानीय निकायों से लेकर महानगरों तक इस क्रांति को हर नागरिक तक पहुंचाने के लिए हम पूर्ण प्रतिबद्ध है. आपने जिस आत्मनिर्भर भारत का सपना संजोया है उसमें जीएसटी सुधार एक सशक्त स्तंभ बन चुका है यह सुधार नगर निगम की योजनाओं को भी गति प्रदान करता है चाहे वह शहरी विकास हो बुनियादी ढांचा हो या नागरिक सेवाओं का विस्तार।

महापौर संजय पांडे ने कहा नगर निगम की ओर से हम आपका हृदय से अभिनंदन करते हैं और आपको विश्वास दिलाते हैं कि आपके नेतृत्व में हमारा भारत विकसित भारत 2047 के स्वप्न को अवश्य सरकार करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच पारदर्शी नीतियां और जन कल्याणकारी दृष्टिकोण ही भारत को विश्व गुरु बनाने का आधार है।

सभापति योगेंद्र पांडे ने कहा आयकर में ऐतिहासिक छआयकर में ऐतिहासिक छूट के बाद अब जीएसटी के स्लेब का सरलीकरण इसके रेट में अभूतपूर्व सुधार करके रेट को कम करके भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफहम अग्रसर हो चुके हैं। यह बदलाव आम आदमी के जीवन को खुशहाल करने वाले और व्यापार उद्योग को नई गति देने वाले है। इससे न सिर्फ लोगों की बजट में ऐतिहासिक बढ़त होगी बल्कि जीएसटी कानून के सरलीकरण से अब व्यापारी भी अधिक सुगमता के साथ अपना कार्य कर सकेंगे।

सभापति सुरेश गुप्ता ने कहा एक राष्ट्र एक टेक्स की भावना के साथ पहले सभी तरह के अप्रत्यक्ष करों को एक कर प्रणाली के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाकर एक भारत श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को साकार किया और अब इसे और सरल बनाकर क्रांतिकारी सुधारो का सूत्रपात किया गया है.

सभापति निर्मल पाणिग्रही ने कहा नए सुधार से सूक्ष्म लघु और मंझोले उद्योगों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा. रोजमर्रा की अनेक वस्तुएं को किफायती बनाया गया है। यह सुधार किसानों के जीवन में आर्थिकी की को मजबूती प्रदान करेगा।

विदित हो कि नगर निगम के 32 पार्षदों ने महापौर संजय पांडे को पत्र देकर कहा था कि जीएसटी सुधारो का समर्थन करने और प्रधानमंत्री का अभिनंदन करने शीघ्र ही विशेष सम्मेलन बुलाया जाए. जिसके तत्सम में आज नगर निगम का विशेष सम्मेलन बुलाया गया था इसमें कांग्रेसी पार्षद उपस्थित नहीं हुए और ना ही उनके तरफ से कोई पत्र नगर निगम को प्राप्त हुआ. जबकि निर्दलीय पार्षद माया नायक एवं कुबेर देवांगन इस प्रस्ताव का पूर्णतः समर्थन दिया.

इस विशेष सामान्य सभा की बैठक में मुख्य रूप से एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा, राणा घोष, कलावती कसेर, त्रिवेणी रंधारी, श्वेता बघेल, संजय विश्वकर्मा,संग्राम सिंह राणा सहित समस्त भाजपा पार्षद दल एवं विशेष रूप से निर्दलीय पार्षद कुबेर देवांगन एवं माया नायक एवं समस्त पार्षद गण व निगम के आयुक्त प्रवीण वर्मा सहित अधिकारी कर्मचारी गण इस विषय सम्मेलन में उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र के मित्रा के सहयोग से राज्य सहायता मिशन पर आयोजित नीति आयोग का दूसरा क्षेत्रीय संवाद पुणे में सफलतापूर्वक संपन्न

नईदिल्ली,एजेंसी

नीति आयोग ने महाराष्ट्र सरकार के महाराष्ट्र परिवर्तन संस्थान (मित्रा) के सहयोग से 25 सितंबर 2025 को पुणे के यशदा में राज्य सहायता मिशन (एसएसएम) के अंतर्गत दूसरा क्षेत्रीय संवाद आयोजित किया जो सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। इस संवाद में 11 पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी एसएसएम पहलों पर अपने अनुभव साझा करने और एक-दूसरे से सीखने के लिए एकत्रित हुए। इससे पहले इस वर्ष की शुरुआत में देहरादून में उत्तरी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागियों के साथ पहला क्षेत्रीय संवाद आयोजित किया गया था। चर्चाओं में राज्यों के दृष्टिकोण को निर्देशित

करने, सुधारों को आगे बढ़ाने और 2047 तक भारत को विकसित बनाने की राष्ट्रीय आकांक्षा के साथ तालमेल बिठाने में राज्य परिवर्तन संस्थानों (एसआईटी) की महत्वपूर्ण भूमिका की जानकारी दी गई। नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी, मित्रा के सीईओ श्री प्रवीण परदेशी, नीति आयोग के अपर सचिव श्री रोहित कुमार और नीति आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहे। विभिन्न सत्रों में विचार-विमर्श ने विभिन्न राज्यों में परिवर्तन संस्थानों की उभरती महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया गया और दिन भर विभिन्न सत्रों में विकसित भारत के लिए विकसित राज्य की दिशा में प्रमुख विकास कारकों और प्रेरकों पर ध्यान केंद्रित किया गया। क्षेत्रीय संवाद में दीर्घकालिक दूरदर्शिता, साक्ष्य-आधारित नीति और भविष्य के लिए तैयार शासन के बहु-विषयक केंद्रों के रूप में राज्य परिवर्तन संस्थानों (एसआईटी) को मजबूत करने पर सत्र आयोजित किए गए। मित्रा के सीईओ; उत्तराखंड राज्य सशक्तीकरण और परिवर्तन संस्थान (सेतु) आयोग के उपाध्यक्ष; मध्य प्रदेश राज्य नीति आयोग के सीईओ और विश्व बैंक के वरिष्ठ लोक विशेषज्ञ ने संस्थागत डिजाइन के राष्ट्रीय और वैश्विक मॉडल साझा किए।

इस वार्ता में इस बात की जानकारी दी गई कि कैसे राज्य-स्तरीय थिंक टैंक (एसआईटी) सुधारों को आगे बढ़ा सकते हैं, साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का समर्थन कर सकते हैं और दीर्घकालिक दूरदर्शिता को संस्थागत बना सकते हैं - जो वर्तमान नीति और विकसित भारत @2047 के भविष्य को आकार देने के लिए महत्वपूर्ण है।

संस्कारधानी में एक दिवसीय जिला स्तरीय ओपन डिस्ट्रिक्ट कराते टूर्नामेंट का सफल आयोजन

जिला कराते संघ के आयोजन में कराते खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता। राजनांदगांव में शिको काई शिटोरियू कराते डू इंटरनेशनल एवं राजनांदगांव अकादमी ऑफ मार्शल आर्ट्स स्कूल कस्तूरबा महिला मंडल राजनांदगांव द्वारा एक दिवसीय जिला स्तरीय ओपन डिस्ट्रिक्ट कराते टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें राजनांदगांव जिले के विभिन्न स्कूलों के 150 छात्र छात्राओं ने भाग लिया । उक्त टूर्नामेंट में रायपुर जिले के भी खिलाड़ियों ने भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया। स्पर्धा में सब जूनियर वर्ग जिसमें 6 वर्ष से लेकर 12 वर्ष तक के खिलाड़ियों ने भाग लिया। कैडेट वर्ग में 13 वर्ष से 15 वर्ष तक के खिलाड़ियों ने भाग लिया, जूनियर वर्ग में 15 वर्ष से अधिक एवं 18 वर्ष तक के खिलाड़ियों ने एवं सीनियर वर्ग में 18 वर्ष से अधिक उम्र वाले खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्ग में काता एवं कुमीते स्पर्धा में भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया।

तिरुवनंतपुरम में विझिनजाम बंदरगाह की ओर जाते हुए मछुआरे भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के जहाजों के पास से अपनी नावों को चलाते हुए।

चंडीगढ़ स्थित वायुसेना स्टेशन पर मिग-21 ऑपरेशनल फ्लाइंग समापन समारोह के दौरान भारतीय वायुसेना के मिग-21 विमानों ने उड़ान भरी। छह दशकों से अधिक की सेवा के बाद इन दिग्गज लड़ाकू विमानों की आधिकारिक सेवानिवृत्ति का यह एक प्रतीक है।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
P.W.D. BASTAR CIRCLE JAGDALPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice
https://eproc.cgstate.gov.in

Tender are invited for the Following Works :-
Last Date of Tender Downloading :- 06/10/2025

S. No.	NIT No./ NIT Date	Sytem Tender No. (Tender Call No)	Name of Work	PAC Amount (Rupees in Lacs)
01	02	03	04	05
1	179/2024-25 Date 23/09/2025	176211 (Third-Call)	Construction of Navin Balak Ashram at Telam, Block-Katekalyan, District- Dantewada i/c Electrification Work.	188.46
2	180/2024-25 Date 23/09/2025	176212 (Third-Call)	Construction of 50 Beded Balak Ashram at Chikpal, Block-katekalyan, District- Dantewada i/c Electrification Work.	162.76
3	181/2024-25 Date 23/09/2025	176214 (Third-Call)	Special Repair & MOW Deposite Works of Government Non Residential Buildings Under Darbha Sub Division.	23.33
4	182/2024-25 Date 23/09/2025	176215 (Third-Call)	Special Repair & MOW Deposite Works of Government Non Residential Buildings Under Lohandiguda Sub Division.	23.33
5	183/2024-25 Date 23/09/2025	176216 (Third-Call)	Special Repair Works of Government Non Residential Buildings Under Darbha Sub Division.	16.66
6	184/2024-25 Date 23/09/2025	176218 (Seventh-Call)	Construction of Pre-Metric Tribal Girls Hostal Kirandul Block-Kuakonda, District- Dantewada i/c Electrification Work.	191.51

For more details on the Tender and bidding process please visit the above mentioned portal.

G- 252603753/5

Superintending Engineer
P.W.D. Bastar Circle
Jagdalpur

कोंडागांव जिला के घोड़ागांव में पोषण माह पर विशेष लोकसंपर्क कार्यक्रम, ग्रामीणों में बढ़ी जागरूकता

पीआईबी

केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय कांकेर द्वारा कोंडागांव जिले के अंतिम छोर पर बसे घोड़ागांव गांव में आज पोषण माह के अंतर्गत विशेष लोकसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामीणों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही। आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण अंचल के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं की जानकारी पहुँचाना और पोषण संबंधी जागरूकता को सशक्त बनाना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रामदाई नाग उपस्थित रहीं। ग्राम सरपंच श्री बालसू नेताम ने भी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की विशेष भूमिका रही। मंच से महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी

श्री संजय पोटाई, सुपरवाइजर श्रीमती लक्ष्मी ठाकुर, स्वास्थ्य विभाग की सुपरवाइजर श्रीमती सुधा नामदेव, स्वास्थ्य कार्यकर्ता संत नाग, चिकित्सा अधिकारी शशिकला पोयम, सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम) श्रीमती लक्ष्मी नेताम, ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी (आरएचओ) श्रीमती बी. मोमिन तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की सुपरवाइजर बिंगू राम कोर्राम ने ग्रामीणों को संबोधित किया। महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी श्री पोटाई ने अपने संबोधन में कहा कि संतुलित आहार ही अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं, शिशुओं और किशोरियों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों के महत्व को विस्तार से समझाया। साथ ही उन्होंने कुपोषण को जड़ से मिटाने में सामुदायिक भागीदारी की भूमिका पर जोर दिया। स्वास्थ्य विभाग के वक्ताओं ने टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं और स्वच्छता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को जीवंत और सहभागितापूर्ण बनाने के लिए प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। तीन वर्गों में कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के ग्रामीणों ने उत्साह से भाग लिया। विजेताओं को विभाग की ओर से पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रश्न मंच का आयोजन भी हुआ, जिसमें शासन की योजनाओं और पोषण संबंधी सवाल पूछे गए। सही जवाब देने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया।

स्कूल शिक्षा मंत्री से मिले विधायक ब्यास कश्यप स्कूलों में अहाता निर्माण

जांजगीर-चांपा ।

विधायक ब्यास कश्यप ने अपने रायपुर प्रवास के दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने जांजगीर-चांपा विधानसभा क्षेत्र के अहाता विहीन स्कूलों में अहाता निर्माण कराने की मांग की। उन्होंने प्रमुख रूप से विकासखंड नवागढ़ के शासकीय प्राथमिक शाला पेण्ड्री (नवागढ़), शासकीय प्राथमिक शाला हीरागढ़ (टूरी) शासकीय प्राथमिक शाला हाथीटिकरा, शासकीय हाईस्कूल रोगदा, शासकीय हाईस्कूल बोड़सरा, शासकीय प्राथमिक शाला पाली, शासकीय प्राथमिक शाला हरसागर पारा खोखरा, शासकीय प्राथमिक शाला नवापारा, शासकीय प्राथमिक शाला विजयापारा पुटपुरा, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला किरीत, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चैराभाठा, शहीद रामकुमार कश्यप उच्चतर माध्यमिक शाला महंत, शासकीय हाईस्कूल धाराशिव (खो) तथा बलौदा विकासखंड के शासकीय हाईस्कूल पिसौद, शासकीय प्राथमिक शाला मड़वा , शासकीय नवीन प्राथमिक शाला कुर्मीपारा जर्वे में अहाता निर्माण कराने की मांग की है।

उन्होंने स्कूल शिक्षा मंत्री से शिक्षा व्यवस्था में सुधार करने, सभी स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करने, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ठ अंग्रेजी माध्यम स्कूल की तर्ज पर नये स्कूल प्रारंभ करने, स्कूलों की सघन मॉनिटरिंग के लिए अकादमिक व्यवस्था को दुरूस्त करने, प्रदेश में शीघ्र शिक्षकों की भर्ती करने तथा शिक्षकों की पदोन्ति, वेतन-भत्तों इत्यादि का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की। शिक्षामंत्री के द्वारा विधायक कश्यप द्वारा सौंपे गये मांग पत्र पर शीघ्र निर्णय लेने का आश्वासन दिया गया है।

शिवरीनारायण एवं जांजगीर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे राजेश्री महन्त

जांजगीर चांपा / छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज दिनांक 27 सितंबर को शिवरीनारायण एवं जांजगीर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश्री महन्त जी महाराज सुबह 9:00 बजे श्री दूधाधारी मठ रायपुर से रवाना होकर 11:00 बजे शिवरीनारायण पहुंचेंगे वे यहां मठ मंदिर में दर्शन पूजन के उपरांत लिटिल फ्लावर पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल शिवरीनारायण में आयोजित साइंस एग्जीबिशन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। दोपहर 2:45 बजे शिवरीनारायण मठ से रवाना होकर अपराह्न 3:30 बजे जांजगीर पहुंचेंगे यहां यादव परिवार में आयोजित श्रीमद् देवी भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ में सम्मिलित होंगे। यहां से 4:15 बजे रवाना होकर शाम 5:00 बजे तक्षशिला इंटरनेशनल स्कूल शिवरीनारायण द्वारा आयोजित दशहरा उत्सव 2025 कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। रात्रि 8:30 बजे उनका आगमन श्री दूधाधारी मठ रायपुर होगा।

चांपा में विराजी मां दुर्गा प्रतिमा कर रही लोगों को भारी आकर्षित

राजस्थान के राज पैलेस के रूप में सजाया गया है दुर्गा पंडाल

जांजगीर चांपा।

अग्रवाल सेवा समिति चांपा सिवनी के तत्वाधान में विशाल दुर्गा प्रतिमा की स्थापना की गई है, जो लोगों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। जहां दूर-दूर से लोग दर्शन करने के लिए पधार रहे हैं। चांपा शहर के कोरबा रोड पर सिवनी चौक पर स्थापित मां दुर्गा प्रतिमा की छठा देखते ही बनती है जो लोगों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र हो गया है। इस विशाल भव्य मां दुर्गा प्रतिमा की स्थापना के साथ-साथ भगवान गणेश जी, मां लक्ष्मी जी, हनुमान जी के अलावा भगवान भैरवनाथ, मां सरस्वती एवं भगवान कार्तिकेय की स्थापना उनके सवारियों के साथ की गई है। यहां स्थापित प्रत्येक प्रतिमाएं कलाकारी का अंतिम नमूना है जो लोगों को खूब भा ने लगा है। यहां प्रत्येक दिन हजारों की संख्या में लोग दर्शन करने के लिए पधार रहे हैं। अग्रवाल सेवा समिति चांपा के द्वारा स्थापित इस दुर्गा प्रतिमा के पंडाल में खिचड़ी एवं अन्य प्रसाद का वितरण पूरे दिन किया जा रहा है जहां दूर-दूर से आए हुए श्रद्धालु लोग मां दुर्गा एवं अन्य देवताओं के दर्शन करने के साथ-साथ पेट पूजा भी कर रहे हैं। समिति के इस सेवाभावी कार्यों की प्रशंसा श्रद्धालुओं द्वारा खूब की जा रही है।

ज्ञात हो कि अग्रवाल सेवा समिति चांपा द्वारा गणपति उत्सव में भी भव्य गणपति की प्रतिमा स्थापित की जाती है वही दुर्गा प्रतिमा की ख्याति दूर-दूर तक फैले इसके लिए निरंतर प्रत्येक वर्ष भव्यता के साथ मां दुर्गा स्थापित की जा रही है। अग्रवाल सेवा समिति चांपा, सिवनी के पदाधिकारी एवं जन सेवक अजय बंसल एवं उनके सहयोगियों के संयुक्त प्रयास से स्थापित मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा से चांपा शहर की ख्याति दूर-दूर तक फैलने लगी है। जिससे समिति के प्रयास को लोगों द्वारा बहुत ही प्रशंसनीय कार्य कहते हुए सराहना की जा रही है। जांजगीर चांपा जिले में शायद चांपा का दुर्गा उत्सव पंडाल सबसे बड़ा एवं भव्य बनाया एवं सजाया गया है। वही भक्तों के लिए पानी पेयजल की व्यवस्था भी की गई है ताकि कोई भी भक्त यहां से प्यास ना जाए। इसके अलावा पंडाल के आगे फौहारा आदि आकर्षक लाइटिंग की गई है जिससे महल के स्वरूप का पंडाल लोगों को बरबस अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। यही कारण है लोग यहां घंटे बैठकर आनंद ले रहे हैं। अवगत हो कि यहां पूरे विधिविधान से शतचंडी मां की पूजा एवं हवन विशेष शास्त्र सम्मत की जाती है। जहां उपस्थित 11 पंडितों द्वारा पूरे विधि विधान से हवन,पूजा,पाठ का कार्य समय समय पर हो रहा है। इतना ही नहीं बल्कि यहां आयोजित आरती में शहर के छोटे बड़े सभी लोग शामिल होकर बड़े आस्था के साथ आरती करते हैं जिसमें दूर-दूर से आए लोग भी भारी संख्या में उपस्थित होकर माता के चरणों की स्तुति करते हुए आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। भजन एवं जस गीतों की प्रस्तुति के लिए विशेष रूप से कलाकार यहां बुलाए गए हैं जो मातारानी का विशेष भजन आदि गाकर लोगों को मंत्र मुग्ध कर रहे हैं। भक्ति एवं मातारानी के गानों से महिला एवं पुरुष सभी वर्ग के लोग खूब झूमती एवं नाश्ते नजर आते हैं। चांपा शहर के कोरबा रोड में सिवनी चौक पर स्थापित इस मां दुर्गा मूर्ति का दर्शन सबको करनी चाहिए क्योंकि यह दुर्गा प्रतिमा न केवल भव्यता के साथ स्थापित की गई है अपितु कलाकृतियों का यह जीता जगता एक उदाहरण है जिसे देखकर हर कोई पसंद करने लगा है। वही अग्रवाल सेवा समिति के लोगों की सभी भक्तों के द्वारा मुक्त कंठ से प्रशंसा की जा रही है। इस भव्य प्रतिमाओं को भटगांव शहर के दाताराम सिंह एवं उनके साथियों द्वारा सजाया एवं आकार दिया गया है जिनकी कलाकारी से ऐसा लगता है कि उक्त प्रतिमाएं कभी भी बोल देगी जो जीवित सा ही प्रतीत होता है।

अवैध शराब के दो आरोपी जेल दाखिल आबकारी विभाग जाँजगीर चांपा की कार्यवाही

जांजगीर चांपा / आबकारी आयुक्त सुश्री आर.शंगीता एवं कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार व प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी श्रीमती नीलिमा दीप्रस्कर के विशेष मार्गदर्शन में जिला-जांजगीर चांपा में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब निर्माण एवं भंडारण पर कार्यवाही की गई है। इस कार्यवाही में आज दिनांक -25 सितंबर को 19 बल्क लीटर हाथभट्ठी महुआ शराब जब्त कर धारा-34(2) का प्रकरण दर्ज किया गया । वृत्त-जांजगीर के आरोपी यशोदा नंदन सोनझरी पिता मोहन लाल ,उम्र-33 वर्ष ,साकिन-कुदरी,थाना-जांजगीर ,ज़िला -जाँजगीर चाँपा (छ.ग.)के रिहायशी मकान से 10 लीटर हाथभट्ठी महुआ शराब बरामद होने पर उक्त आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) तथा 59(क)की कार्यवाही कर जेल दाखिल किया गया । वृत्त-बलौदा के आरोपी सुरेंद्र कुमार बंजारे पिता मनोहर लाल ,उम्र-38 वर्ष ,साकिन-लेवई ,थाना-बलौदा,ज़िला -जाँजगीर चाँपा (छ.ग.)के रिहायशी मकान से लगे बाड़ी 9 लीटर हाथभट्ठी महुआ शराब बरामद होने पर उक्त आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) तथा 59(क)की कार्यवाही कर जेल दाखिल किया गया ।

छाता जंगल में जुआ खेलने वालों के विरुद्ध बलौदा पंतोरा पुलिस की छापामार कार्रवाई

छापामार कार्रवाई में जंगल से 17 मोटर सायकल किया गया जप्त

जांजगीर चांपा / छाता जंगल में छापामार कार्रवाई करते हुए बलौदा पंतोरा पुलिस ने जुआरियों के 17 मोटर साइकिल जब्त किए हैं जबकि जुआरी भाग निकलने

में सफल रहे । ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में जिले में जुआ सट्टा खेलने एवं खिलाने वालो के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है । इसी क्रम में थाना बलौदा पुलिस को मुखबिर सूचना मिला की बलौदा क्षेत्र के छाता जंगल में कुछ लोग जुआ खेलने के लिए जंगल अंदर मोटर सायकल से गये है । उक्त सूचना पर थाना बलौदा एवं चौकी पंतोरा पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से जंगल में छापामारी किया गया जहां जंगल के अंदर अलग - अलग स्थानों झाडियों की आड में मोटर सायकल खडा हुआ मिला जंगल अंदर पुलिस को आते देख जुआ खेल रहे जुआडियान भाग गए, जंगल से कुल 17 मोटर सायकल को जप्त किया गया है। उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी बलौदा निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव एवं चैकी प्रभारी पंतोरा उनि दिलीप सिंह एवं थाना बलौदा व चैकी पंतोरा स्टाप का विषेष योगदान रहा।

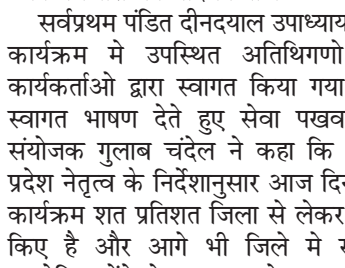

प्रांतीय राजपूत क्षत्रिय समाज सेवा समिति का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जिला अध्यक्ष पद हेतु ठा श्रवण सिंह के नाम की हुई घोषणा

जांजगीर चांपा / गत दिनांक 25 सितंबर 2025 गुरुवार को प्रांतीय राजपूत क्षत्रिय समाज सेवा समिति का शपथ ग्रहण समारोह प्रांतीय कार्यालय टी एस प्लाजा जांजगीर में संपन्न हुआ। समारोह में निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह द्वारा प्रांतीय समिति के अध्यक्ष देवेश कुमार सिंह ,सचिव सुरेश सिंह क्षत्रिय एवं कोषाध्यक्ष पवन सिंह चंदेल को समस्त राजपूत क्षत्रिय समाज के प्रति प्रतिबद्धता एवं समर्पित भाव से समाज हित में कार्य करते रहने के लिए पद एवं गोपनीयता की शपथ

दिलाया गया । तदोपरांत प्रांतीय अध्यक्ष देवेश कुमार सिंह द्वारा समस्त प्रतिनिधियों की सहमति से जांजगीर चांपा जिले के जिला समिति हेतु राजपूत क्षत्रिय समाज के वरिष्ठ एवं कर्मठ प्रतिनिधि ठाकुर श्रवण कुमार सिंह को जिला अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से मनोनयन की घोषणा किया गया एवं समाज के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने के लिए पद एवं गोपनीयता का शपथ दिलाया गया, जिस पर सभा हाल में उपस्थित समस्त राजपूत क्षत्रिय प्रतिनिधियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत करते हुए पुष्पमाला से स्वागत किया । कार्यक्रम का संचालन संतोष कुमार सिंह एवं आभार प्रांतीय सचिव सुरेश सिंह क्षत्रिय ने किया।इस अवसर पर समिति के वरिष्ठ सदस्य रवेंद्र कुमार सिंह ,राजेश कुमार सिंह ,मन्ना सिंह राणा ,दादुरैया सिंह ,छोटा राणा ,शिव चमन सिंह ,अवधेश सिंह ,प्रजेश सिंह , मुकेश सिँह,अमित सिंह ,प्रशांत सिंह बंटी , नवल सिंह ,प्रदीप सिंह छोटू ,गोपाल सिंह ,भूपेंद्र सिंह ,संदीप सिंह ,धर्मेंद्र सिंह ,युवराज सिंह सहित समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे ।

श्रवण सिंह का हुआ जोरदार स्वागत - प्रांतीय पदाधिकारियों की शपथ ग्रहण के दौरान जैसे ही जिलाध्यक्ष के पद पर श्रवण सिंह की नाम का घोषणा हुई वैसे ही समारोह तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठी और सभी सामाजिक प्रतिनिधियों के अलावा जिला पंचायत सभापति राजकुमार साहु , अमित मिश्रा देवकुमार पाण्डेय आदि ने उन्हे बुके भेंटकर स्वागत किए ।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर भाजपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि : उनके विचारों को किए याद

जांजगीर-चांपा /

पंडित दीनदयाल जयंती पर भाजपा नेताओं ने उन्हे श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके विचारों को याद किए । इस अवसर पर मुख्य वक्ता रजनीश सिंह , जिला संगठन प्रभारी गिरधर गुप्ता, जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े , कमला पाटले , चुन्नीलाल साहु , गुलाब चंदेल , लीलाधर सुल्तानिया , सत्यलता मिरी , रेखा गढ़ेवाल सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की और उनके विचारों को याद किया ।

सर्वप्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती संगोष्ठी कार्यक्रम मे उपस्थित अतिथिगणो का भाजपा कार्यकर्ताओ द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम मे स्वागत भाषण देते हुए सेवा पखवाड़ा के जिला संयोजक गुलाब चंदेल ने कहा कि हमने जिले मे प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार आज दिनांक तक सभी कार्यक्रम शत प्रतिशत जिला से लेकर बुथ स्तर तक किए है और आगे भी जिले मे सभी कार्यक्रम आयोजित होंगे दो अक्टूबर को लालबहादुर शास्त्री व गांधी जयंती तक सेवा का पखवाड़ा कार्यक्रम सम्पन्न होगा । जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के तहत हमने पखवाड़े की शुरुआत नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के दिन से की थी पुराने जिला अस्पताल की साफ सफाई के साथ उसी दिन हमने रक्तदान शिविर का आयोजन किया था मोदी के जीवन पर प्रदर्शनी एक पेड़ माँ के नाम जैसे अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए है और आगे भी पुरे पखवाड़ा भर प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे जिले के सभी कार्यकर्ताओ की उपस्थिति सभी कार्यक्रमो मे शत प्रतिशत हो रही है ।

पूर्व विधायक रजनीश सिंह ने कहा कि उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता की बात करते हुए कहा, ÷उन्होंने जो अंत्योदय का दर्शन प्रस्तुत किया,उसकी सराहना पुरी दुनिया ने की जो भारतीय आर्थिक व्यवस्था और भारतीय जीवन शैली की आधारशिला है। इसके साथ ही, उनकी 'अंत्योदय' की अवधारणा इस बात पर जोर देती है कि जब तक समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े प्रत्येक व्यक्ति तक सरकारी सुविधाएं नहीं पहुंचतीं, तब तक भारत का उत्थान संभव नहीं है। उन्होंने 2024 के आम चुनाव की बात करते हुए कहा कि इन्डिया गठबंधन और देश विरोधी ताकतो ने देश को अस्थिर करने के लिए और नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री न बनने देने के लिए बहुत प्रयास किया लेकिन सफल नही हो सके उन्होंने ट्रम्प पर हमलावर होते हुए कहा कि भारत पर पचास प्रतिशत टैरिफ लगाया लेकिन मोदी ने इसकी परवाह किए बगैर आगे बढ़ने की राह अपनाई और भारतीय को इसके लिए तैयार किया । गिरधर गुप्ता ने आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी पुरे देश मे एकमात्र ऐसी पार्टी जो तीन सौ पैसठ दिन काम करती है जिससे कार्यकर्ताओ मे जागरण भी होता है भारत को आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने के लिए प्रधानमंत्रित्व मोदी काम कर रहे है मोदी ने भारत को डिजिटल भारत बनाया डी बी टी के जरिए शत प्रतिशत रकम लाभार्थी के खाते मे जा रही है भारत की तरफ दुनिया देख रही है 2047 तक हम विकसित भारत के लक्ष्य को जरूर हासिल कर लेंगे

आज ही के दिन 1916 मे पंडित दीनदयाल जी जन्म हुआ उतार-चढ़ाव भरा जीवन ने उनको और अधिक मजबूत बनाया जिससे वे अपने जीवन के प्रति और अधिक दृण संकल्पित हो सके

दर्शन का अनुसरण करने पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा, ÷हमें बहुत गर्व है कि हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय और एकात्म मानववाद की विचारधारा का पालन करते हैं। आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती है, जिन्होंने यह प्रतिपादित किया था कि किसी भी सरकार की सफलता तब तक प्राप्त नहीं होती जब तक शासन का प्रकाश अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक न पहुंचे।

उनके दिखाए मार्ग पर चलकर प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे सशक्त नेताओं में से एक बन गए हैं और भारत भी उसी मार्ग पर चलकर शीघ्र ही विकसित बनेगा ।

उक्त कार्यक्रम मे पूर्व सांसद कमला पाटले कार्यक्रम संयोजक गुलाब चंदेल पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू लीलाधर सुल्तानिया सत्यलता मिरी रेखा गढ़ेवाल कमल देवांगन सहसंयोजक आशुतोष गोस्वामी संतोष लहरे जिला महामंत्री द्वय नंदनी रजवाड़े नंद चौधरी कार्तिकेशवर स्वर्णकार बलौदा जनपद अध्यक्ष शारदा देवांगन राहौद नगरपंचायत अध्यक्ष प्रतिभा कश्यप शिवरीनारायण नगर पंचायत अध्यक्ष राहुल थवाईत गोविंद यादव जिला उपाध्यक्ष धनंजय सिंह समीर शुक्ला पंकज अग्रवाल कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह प्रदीप शराफजिला मंत्री रमेश मोदी संतोषी दुबे हृदय यादव नुरेश्वरी श्रीवास मंडल अध्यक्ष हितेश यादव लोकेश शुक्ला शिवेंद्र सिंह गोपेश तुलशयान समर्थ सिंह ध्वजाराम साहु पवन यादव निलेश गुप्ता मोहन यादव विवेका गोपाल अभिमन्यु राठौर रवि पांडेय प्रेमशंकर थवाईत अनिल शर्मा विवेक सिंह सुबोध थवाईत साकेत तिवारी बलराम पुरी शैलेंद्र पांडेय बलराम गोस्वामी रामलला सोनी रामेश्वर पटेल अजित गढ़वाल अमित यादव राकेश शुक्ला शिव चमन ठाकुर प्रदीप सोनी रितेश राठौर गुडडू कहरा रघु कश्यप शेखर यादव देवनारायण बरेठ जितेंद्र कौशिक देवा गढ़वाल अमित यादव पुष्पेंद्र निर्मलकर प्रेमलता कौशिक मीरा पत्की डा धनेशवरी जाग्रति प्रतिमा डेहरे सतीश शर्मा नारायण देवांगन सोनु यादव सुशील सिंह गोलु दुबे प्रदीप राठौर अजय कौशिक सहित कार्यकर्ताओ की उपस्थिती मे कार्यक्रम संपन्न हुआ उक्त कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री नंदनी रजवाड़े व आभार कार्यक्रम संयोजक कार्तिकेशवर स्वर्णकार ने किया

खास खबर

हाथ से मैला ढोने वाले कर्मियों के नियोजन की प्रतिषेध और उनका पुनर्वास संबंधी जिला स्तरीय सर्वेक्षण एवं सतर्कता समिति की बैठक आज

कोरबा । हाथ से मैला ढोने वाले कर्मियों के नियोजन की प्रतिषेध और उनके पुनर्वास हेतु जिला स्तरीय सर्वेक्षण समिति तथा सतर्कता समिति की बैठक कलेक्टर श्री अजीत वसंत की अध्यक्षता में 23 सितंबर को दोपहर 01 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष कोरबा में आयोजित की गई है। एनटीपीसी,एसईसीएल,सीएसईबी एवं एसईसीआर रेल्वे को निर्देशित किया गया है कि अपने संस्थान के अंतर्गत कार्यरत सफाई ठेकेदार के साथ सफाई कर्मियों की जानकारी वेतन भत्ता एवं वेतन से कटौती की जाने वाली अंशदान निधि तथा नियोक्ता द्वारा उनके खाते में जमा की जाने वाली अंशदान की मासिक कटौती तथा उन्हें समय-समय पर उपलब्ध कराये जाने वाली सुविधाओं की जानकारी के साथ उपरोक्त बैठक में निर्धारित तिथि व समय पर अनिवार्यतःउपस्थित होवे।

अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम अंतर्गत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आज

कोरबा। अनुसूचित जाति,जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 की धारा 23 की उपधारा 1 के नियम 17 (2) के तहत् जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में 23सितंबर को दोपहर 01 बजे कलेक्टर सभाकक्ष आयोजित की गई हैं। बैठक के एजेंडा में अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण, अधिनियम 1989 एवं 1995 के अन्तर्गत स्वीकृत,भुगतान राशि ''क'' श्रेणी वर्ष 2025-26 एवं चालू वित्तीय वर्ष 01 अप्रैल 2025 से 31अगस्त 2025 तक की जानकारी, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति राहत योजना 1979 के अंतर्गत ''ग'' श्रेणी के स्वीकृत/भुगतान राषि वर्ष 2025-26 की जानकारी एवं चालू वित्तीय वर्ष 01 अप्रैल 2025 से 31अगस्त 2025 तक की जानकारी, अधिनियम के अधीन माननीय न्यायालय द्वारा पारित निर्णय एवं लंबित प्रकरणों की अद्यतन स्थिति की जानकारी उपसंचालक,लोक अभियोजक जिला न्यायालय परिसर कोरबा द्वारा दी जायेगी।अध्यक्ष की अनुमति से अन्य बिन्दु पर चर्चा की जाएगी।

छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू राम निषाद अधिकारियों की लेंगे बैठक

कोरबा छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री नेहरू राम निषाद केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त एवं उपाध्यक्ष श्रीमती चन्द्रकांति वर्मा द्वारा जिला स्तरीय विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक 26 सितंबर को दोपहर 2 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष में ली जायेगी।इससे पूर्व अध्यक्ष द्वारा प्रातः 11 बजे सर्किट हाउस सभाकक्ष में पिछड़ा वर्ग के जनप्रतिनिधियों से भेंट-चर्चा की जायेगी।

अब हमारा भी है एक ठिकाना : महतारी सदन बना बिहान दीदियों की उम्मीदों का नया घर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल के लिए दीदियों ने जताया आभार

बिलासपुर स्व सहायता समूह की बिहान दीदियों के लिए कभी छोटी-सी बैठक भी बड़ी चुनौती हुआ करती थी। समूह की गतिविधियाँ हों या संकुल बैठकें, उन्हें गांव के पंचायत भवन या किसी के घर पर जगह मांगनी पड़ती थी। कई बार अन्य बैठक होने पर जगह न मिलने पर बैठकें टल जाती थीं और उन्हें बैठक के लिए भटकना पड़ता था।बहुत बार उनके प्रशिक्षण कार्यक्रम भी बाधित हो जाते थे, इससे उनके संगठन की गति धीमी हो जाती और उनका आत्मविश्वास भी कम हो जाता था। महतारी सदन ने अब दीदियों की इस बड़ी चिंता को दूर कर दिया। अब उन्हें अपनी बैठकों और कार्यक्रमों के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। इस सदन में न केवल संगठनात्मक बैठकें कर पाएंगें बल्कि बेहतर प्रशिक्षण से अपने कौशल को और भी निखार पाएंगी। दीदियों ने इस संवेदनशील पहल के लिए प्रदेश के मुखिया विष्णु देव साय का आभार जताया है।

ग्राम सेमरताल की दीदी सरस्वती धीवर ने कहा कि ÷अब हमें ऐसा लगता है मानो हमारा अपना घर हो, जहां हम न सिर्फबैठकर चर्चा करते हैं, बल्कि अपने सपनों को साकार करने की योजना भी बनाते हैं।÷ इस तरह ग्राम जलसों की श्रीमती लता सूर्यवंशी ने कहा कि अब समूह की महिलाओं को अपनी गतिविधि, बैठक के लिए किसी से जगह नहीं मांगनी पड़ेगी, अपनी जगह मिलने से उनमें एक नया आत्मविश्वास का संचार हुआ है। इसी तरह बिहान दीदी गौरी गौरव, पूनम गौतम, चमेली यादव, वंदना केवट, कृष्णा देवी और पीआरपी सावित्री ने कहा कि महतारी सदन का निर्माण केवल एक भवन का निर्माण नहीं, बल्कि हजारों दीदियों के सपनों और आशाओं को पूरा करने वाला सदन है। इस पहल से हम ग्रामीण महिलाओं के आत्मविश्वास को नई उड़ान मिली है। अब समूह की गतिविधियाँ महतारी सदन में और अधिक सुनियोजित और प्रभावी ढंग से संचालित होगी।

उल्लेखनीय है कि जिले में 19 महतारी सदन स्वीकृत हुए हैं जिनमें से पूर्ण चार महतारी सदन का आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने धमतरी से वर्चुअल शुभारंभ किया। महतारी सदन का निर्माण केवल एक भवन नहीं, बल्कि महिलाओं को मिला सम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की इस पहल ने प्रदेशभर की बिहान दीदियों को नया उत्साह और आत्मविश्वास दिया है। दीदियां कहती हैं-÷अब हमारा संगठन और मजबूत होगा, क्योंकि हमें अपना घर जो मिल गया है।÷

स्वास्थ परीक्षण शिविर में कोरबा व टी.पी.नगर जोन के सफाई मित्रों, स्वच्छता दीदियों का हुआ स्वास्थ परीक्षण

स्वच्छता ही सेवा-2025 अभियान के तहत घंटाघर स्थित सियान सदन में आयोजित हो रहा 03 दिवसीय स्वास्थ परीक्षण शिविर

कोरबा स्वच्छता ही सेवा - 2025 अभियान अंतर्गत घंटाघर स्थित सियान सदन में आयोजित किए जा रहे स्वास्थ परीक्षण शिविर के दूसरे दिन नगर पालिक निगम केारबा के कोरबा व टी.पी.नगर जोनांतर्गत कार्यरत सफाई मित्रों, स्वच्छता कामगारों व स्वच्छता दीदियों का स्वास्थ परीक्षण किया गया। आज के शिविर में नेत्र जांच कैम्प भी आयोजित हुआ तथा नेत्रों की जांच की गई। हेल्थ चेकअप के साथ-साथ आवश्यकतानुसार दवाईयॉ भी उपलब्ध कराई गई। भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के अंतर्गत शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों के तहत नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में विगत 17 सितम्बर से आगामी 02 अक्टूबर तक '' स्वच्छता ही सेवा -2025 ''अभियान का कुशल संचालन किया जा रहा है। निगम स्वास्थ अधिकारी डॉ.संजय तिवारी ने बताया कि अभियान की कड़ी में घंटाघर स्थिता सियान सदन में निगम के सफाई मित्रों, स्वच्छता कामगारों व स्वच्छता दीदियों के स्वास्थ परीक्षण हेतु 22, 23 व 24 सितम्बर को तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है, आयोजन के दूसरे दिवस मंगलवार 23 सितम्बर को निगम के कोरबा व टी.पी.नगर जोन के अंतर्गत कार्यरत सफाई मित्रों, स्वच्छता कामगारों व स्वच्छता दीदियों का स्वास्थ परीक्षण मोबाईल मेडिकल यूनिट के चिकित्सकों व मेडिकल स्टाफ के द्वारा किया गया। शिविर के दौरान स्थल पर नेत्र जांच कैम्प भी लगाया गया था, हेल्थ चेकअप कराने आने वाले लोगों के आंखों की जांच भी चिकित्सकों द्वारा की गई। शिविर में बुखार, मलेडिया, डेंगू, शुगर, लिपिड प्रोफाईल, सी.बी.सी., लीवर, किडनी, पेसाब की जांच, प्रोटीन टेस्ट, बिटामिन बी.-12 जांच सहित 41 प्रकार की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पी.एम.ए.वाई. की दी गई जानकारी - सियान सदन में आयोजित शिविर में भारत सरकार के महत्वपूर्ण अभियान '' अंगीकार -2025 '' का काउंटर भी स्थापित किया गया था, शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के बी.एल.सी. व ए.एच.पी. घटकों की सघन जानकारी निगम के सफाईमित्रों, कामगारों व स्वच्छता दीदियों के साथ-साथ शिविर में आने वाले अन्य लोगों को प्रदान की गई ।

कुसमुण्डा क्षेत्र में राख की समस्या से लोग परेशान

कोरबा कुसमुंडा क्षेत्र में लगातार राख की समस्याओं से लोगों को अक्सर सामना करना पड़ता है वहीं नवरात्रि का समय भी प्रारंभ हो गया है जिस वजह से लोगों की भीड़ माता के दर्शन के लिए लोगों का आना-जाना कुसमुंडा क्षेत्र से होना पड़ेगा इस क्षेत्र में लगातार राख की समस्या कई वर्षों से अपने चरण स्थिति पर बनी हुई है बरसात का समय भी खत्म हो चुका है अब रोड में जमे मिट्टी धूप की गर्मी से राख का रूप ले चुके हैं जो की रोड में गाड़ियों के चलने से उड़ते हैं और छोटे वाहनों के आंखों में घुस जाते हैं. जिस वजह से उसे सामने की रोड सही से नहीं दिखती है और दुर्घटना होने की आशंका सत प्रतिशत बन जाती है ज्यादातर इमली छापर से लेकर थाने तक के 200 मीटर की दूरी पर धूल डस्ट हाथ से अधिक सबसे अधिक धूल डस्ट उड़ती है जिसमें रोड सेल के अधिकारी इस पर संज्ञान नहीं लेते हैं क्योंकि रोड सेल की जितनी गाड़ियां खदानों में प्रवेश होती है वह इसी रोड से होते हुए खदान के गेट नंबर से प्रवेश होती है वहीं सूत्रों के जानकारी पर यह भी पता चला है कि पानी छिड़काव के लिए टेंडर कर दी गई है लेकिन अभी तक पानी छिड़काव की गाड़ियां ना सुबह दिख रही है ना शाम को दिख रही है और धूल डस्ट जस्की तस रोड में उड़ती हुई दिख रही है जब पानी के छिड़काव के लिए टेंडर निकाल दिया गया है तो छिड़काव क्यों नहीं की जा रही है।

बोर्ड आफविजिटर के सदस्यों ने किया जिला जेल का निरीक्षण

कोरबा । प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा जिला कोरबा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा, श्री अजीत बसंत कलेक्टर कोरबा, श्री सिद्धार्थ तिवारी पुलिस अधीक्षक कोरबा, डॉ. एस.एन. केशरी जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, श्री सरोज कुमार महिलांगे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा, श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह कंवर उपसंचालक कृषि विभाग कोरबा, श्री मुकेश कुमार दिवाकर परिविक्षा अधिकारी समाज कल्याण विभाग कोरबा, श्री अरूण कुमार राठिया प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कोरबा उपस्थित रहे। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जेल में किसी प्रकार का जातिगत भेदभाव तो नहीं हो रहा एवं बंदियों के चिकित्सा, स्वास्थ्य, भोजन, विधिक सहायता से अधिवक्ता, जेल के अभिलेखों का निरीक्षण किया जाना था। निरीक्षण में जेल के अंदर जातिगत भेदभाव की प्रथा नहीं होना पाया गया है। जेल के बैरकों में जाकर बंदियों एवं जेल के कर्मचारी एवं अधिकारीयों से चर्चा की गयी तथा भोजना की गुणवत्ता, स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा प्राप्त होने के संबंध में पूछा गया जो जेल नियमावली के अनुसार होना बताया गया।

बालको मेडिकल सेंटर में मध्य भारत का पहला एसबीआरटी हैंड्स-ऑन कंटूरिंग वर्कशॉप संपन्न

कोरबा संवाददाता।

मध्य भारत में कैंसर उपचार के क्षेत्र में अग्रणी बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) ने अपने तीसरे 'छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव' के तहत 21 सितंबर 2025 को मध्य भारत का पहला स्टेरियोटैक्टिक बॉडी रेडियोथेरेपी (एसबीआरटी) हैंड्स-ऑन कंटूरिंग वर्कशॉप आयोजित किया। यह वर्कशॉप विशेष रूप से लीवर और पैंक्रियाज कैंसर पर केंद्रित रही, जिसमें देशभर से 100 से अधिक रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट, रेजिडेंट डॉक्टर और मेडिकल फिजिसिस्ट शामिल हुए।

एसबीआरटी एक अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी तकनीक है, जो बहुत अधिक मात्रा में रेडिएशन को सटीक रूप से कैंसर ट्यूमर तक पहुँचाती है, जबकि आसपास के स्वस्थ ऊतकों को नुकसान से बचाती है। इससे मरीज को कम से कम अस्पताल जाना, इलाज में सटीकता और कम दुष्प्रभाव पड़ता है। डॉक्टरों के लिए इस तरह की वर्कशॉप बहुत जरूरी हैं, क्योंकि इससे उन्हें नई तकनीकें सीखने और अपनाने का अवसर मिलता है, और मरीज अपने ही शहर में विश्वस्तरीय इलाज प्राप्त कर सकते हैं।

वर्कशॉप का नेतृत्व देश के जाने-माने विशेषज्ञों ने किया। इनमें डॉ. स्वरूपा मित्रा (डायरेक्टर एवं यूनिट हेड, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम), डॉ. रीना इंजीनियर प्रोफेसर, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई), डॉ. सयान पॉल (कंसल्टेंट रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट, अपोलो कैंसर इंस्टीट्यूट, कोलकाता) और डॉ. डेविड के. सिमसन (कंसल्टेंट रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट, राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर, नई दिल्ली) शामिल थे। कई प्रमुख ऑन्कोलॉजिस्ट भी मेंटर के रूप में जुड़े, जिन्होंने प्रतिभागियों को सामान्य गलतियों से बचने के तरीके बताए और असली मरीजों से जुड़े मामलों पर सवाल-जवाब के माध्यम से सीखने का मौका दिया।

डॉ. गौरव गुप्ता, एचओडी एवं सीनियर कंसल्टेंट, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, बालको मेडिकल सेंटर ने कहा कि एसबीआरटी प्लानिंग सीखने में हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग बहुत महत्वपूर्ण है। इस वर्कशॉप में लीवर और पैंक्रियाज जैसी जटिल अंगों में टारगेट डिलिनीएशन और ट्रीटमेंट प्लानिंग पर काम किया गया। प्रतिभागियों को वास्तविक मामलों पर काम करने, मोशन मैनेजमेंट को समझने और स्टैंडर्ड गाइडलाइंस लागू करने का अवसर मिला।

भू-अर्जन की प्रक्रिया में प्रभावित ग्रामीणों के परिसंपत्तियों के मूल्यांकन और मुआवजा भुगतान में आएगी पारदर्शिता

- 0 गाँव के मूल निवासियों को मिलेगा लाभ
- 0 मुआवजा के लिए शासकीय और निजी भूमि में परिसंपत्तियों का निर्माण पर लगेगी रोक और शासन को होगा लाभ
- 0 एसईसीएल प्रभावित क्षेत्रों में परिसम्पत्तियों के सर्वेक्षण तथा भुगतान के संबंध में दिशा निर्देश जारी
- 0 कलेक्टर ने एसईसीएल महाप्रबंधकों को निर्देशानुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

कोरबा । भारत सरकार के सार्वजनिक उपक्रम कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनियाँ एस.ई.सी.एल. कोरबा, गेवरा, कुसमुण्डा एवं दीपका विस्तार परियोजना अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में खनन व उससे संबंधित गतिविधियों के लिए अर्जन की प्रक्रिया कोल बियरिंग एक्ट 1957 के तहत पूर्ण की जाती है। उक्त कंपनियों द्वारा कोल बियरिंग एक्ट के अधीन अर्जित क्षेत्रों में धारा 9 (1) के प्रकाशन के बाद भूमि

का मुआवजा निर्धारित किया जाता है किन्तु परिसम्पत्तियों का मुआवजा निर्धारण काफी विलम्ब से किया जाता है। इसके कारण दो प्रकार की परिस्थितयॉ निर्मित होती है। जिसमें गांव के मूल निवासियों की परिसम्पत्तियों के मूल्यक्षय होने के कारण उन्हें प्राप्त होने वाले कुल मुआवजे में कमी होती है। कुछ व्यक्तियों द्वारा सिर्फमुआवजा प्राप्ति के लिए शासकीय एवं निजी भूमि पर परिसम्पत्तियों का निर्माण किया जाता है। इस संबंध में कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने एसईसीएल कोरबा, गेवरा,कुसमुंडा, दीपका के महाप्रबंधकों को पत्र जारी कर एसईसीएल प्रभावित क्षेत्रों में परिसम्पत्तियों के सर्वेक्षण तथा भुगतान के संबंध में 11 बिंदुओं के दिशा निर्देश जारी कर पालन सुनिश्चित करने कहा है। कलेक्टर द्वारा जारी इस दिशा निर्देश से वे किसान, मूल निवासी जिनकी भूमि का अधिग्रहण हो रहा है उनकी परिसंपत्तियों का सही मूल्य निर्धारण हो सकेगा और कुछ व्यक्तियों द्वारा जो सिर्फमुआवजे के लिए शासकीय और निजी भूमि पर परिसंपत्तियों का निर्माण करते हैं ऐसे लोगो पर अंकुश लगने के साथ ही शासन की बड़ी राशि की बचत भी होगी।

कलेक्टर श्री वसंत द्वारा जारी निर्देश के तहत प्रथम बिन्दु जहां भूमि अर्जन एंव पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की मूल भावना के विपरीत है, वही दूसरे बिन्दु के कारण न केवल शासन पर वित्तीय भार का सृजन होता है बल्कि छत्तीसगढ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के पत्र क्रमांक/2801/ 2024/ सात-1 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 14.10.2024 की मंशा के विरूद्ध है।

इस हेतु कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने एस.ई.सी.एल. प्रभावित क्षेत्रों में अर्जन की प्रक्रिया तेज करने तथा आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से परिसम्पत्तियों के सर्वेक्षण के कारण मुआवजे में गड़बड़ी की शिकायतें, जो ग्रामीणों द्वारा समय-समय पर की जाती है, की पुनरावृत्ति रोकने के लिए एस.ई.सी.एल. प्रभावित क्षेत्रों में भूमि एवं परिसंपत्तियों के सर्वेक्षण, मुआवजा के निर्धारण एवं भुगतान हेतु निर्देश जारी किया गया है। जिसके अंतर्गत कोल बियरिंग एक्ट 1957 की धारा 4 (1) के प्रकाशन के तत्काल पश्चात परिसम्पत्तियों का सैटेलाईट इमेज/ड्रोन सर्वेक्षण करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी प्रकार अर्जित क्षेत्र में जिन ग्रामों की भूमि का मुआवजा निर्धारित नहीं किया गया, वहां भूमि अर्जन एवं पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की अनुसूची - एक के तहत भूमि एवं परिसम्पत्तियों के मुआवजे का निर्धारण एक साथ किया जाएगा। भविष्य में अर्जित होने वाले क्षेत्रों में भूमि एवं परिसम्पत्तियों के मुआवजा का निर्धारण साथ-साथ किया जाएगा।

त्योहारों से पहले सड़कों की मरम्मत की मांग को लेकर कांग्रेस नेताओं ने सौंपा ज्ञापन

कोरबा कोरबा में त्योहारी सीजन शुरू होने से पहले ही जर्जर सड़कों को लेकर आम जनता और व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है। इसी समस्या को देखते हुए कांग्रेस नेताओं ने कलेक्टर और निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है। कांग्रेस नेताओं ने कहा नगर पालिक निगम क्षेत्र की सड़कें बारिश से पहले ही खराब हो चुकी थीं और अब उनकी हालत और भी खराब हो गई है। छोटे-बड़े वाहनों के साथ-साथ ओवरलोड गाड़ियों के लगातार चलने से ये सड़कें और भी दयनीय स्थिति में पहुँच गई हैं। इन गड्ढों वाली सड़कों पर पैदल चलना और वाहन चलाना मुश्किल हो गया है, खासकर दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि कोरबा शहर और आसपास के उपनगरीय क्षेत्रों में अधिकांश सड़कें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। त्योहारी सीजन, जैसे दुर्गा पूजा, दशहरा, दीपावली और छठ पूजा के दौरान, इन सड़कों पर यातायात का दबाव बहुत बढ़ जाएगा, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा और भी ज्यादा होगा। नेताओं ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़कों की मरम्मत कराने के निर्देश जारी करने का आग्रह किया है ताकि लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े। कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने वालों में कोरबा सांसद के प्रतिनिधि दिनेश सोनी, जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष अजय जायसवाल और पूर्व पार्षद महेश अग्रवाल शामिल थे ।

छग रजत महोत्सव में 'भाओना सीता पाताल गमन' की मनमोहक प्रस्तुति

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि इस नृत्य नाटिका भाओना के माध्यम से असम राज्य की संस्कृति और भावना का सशक्त प्रदर्शन हो रहा है, जिसे श्रीमंत शंकर देव ने लगभग 500 वर्ष पूर्व लिखा था। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव अंतर्गत महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में अंतर्राज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर असम से आए कलाकारों ने पौराणिक ग्रंथ रामायण में वर्णित सीता पाताल गमन प्रसंग पर आधारित नृत्य-नाटिका भाओना सीता पाताल गमन की प्रभावशाली प्रस्तुति दी।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल ने कहा कि असम और छत्तीसगढ़ दोनों में रामायण कालीन संस्कृति की छाप स्पष्ट दिखाई देती है और दोनों राज्यों की सांस्कृतिक परंपराएं आपस में काफी मिलती-जुलती हैं। श्री डेका ने असम के रहने वाले देश के विख्यात गायक श्री जुबीन गर्ग जिनका हाल ही में आकस्मिक निधन हो गया था, उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल श्री डेका ने सभी कलाकारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, श्री सुनील सोनी, श्री रिकेश सेन अन्य जनप्रतिनिधि, राज्यपाल के सचिव डॉ. आर. प्रसन्ना, संस्कृति विभाग के संचालक एवं अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में दर्शकगण उपस्थित थे।

मंत्रालय में अब अधिकारी-कर्मचारियों का होगा एआई प्रशिक्षण

रायपुर । राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए यह निर्णय लिया है कि अब मंत्रालयों में काम करने वाले अधिकारी और कर्मचारी (मध्यम स्तर और उच्च पदों पर) सरकारी कामकाज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सूचना-प्रौद्योगिकी की सहायता लेंगे। जारी आदेश जिसमें बताया गया है कि इन तकनीकी उपकरणों का उपयोग सुचारु रूप से कैसे किया जाए, इस पर कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। नए आदेश के अनुसार, प्रशिक्षण कार्यक्रम तुरंत शुरू हो जाएगा और इसे भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में कराया जाएगा। विभागीय स्तर पर उप सचिव, वरिष्ठ सहायक, अधीक्षण शाखा के अधिकारी, कनिष्ठ सहायकता और अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत कर्मियों को इस प्रशिक्षण में हिस्सा लेने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशिक्षण का समय सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि लगभग एक महीने की होगी और इस दौरान किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को अवकाश नहीं दिया जाएगा; यदि किसी को अपरिहार्य कारणों से अनुपस्थित होना हो, तो उन्हें पूर्व में अनुमति लेनी होगी। इससे संकेत मिलता है कि सरकार इस कार्यक्रम को कितनी गंभीरता से ले रही है। प्रशिक्षण पहले सामाजिक विभागों, स्वास्थ्य, जल संसाधन, कृषि, शिक्षा, न्याय एवं सुरक्षा विभागों को चरणबद्ध आधार पर शामिल किया जाएगा। कभी-कभी दो विभागों का समूह एक ही दिन प्रशिक्षण में शामिल होगा।

'जशपुर के दनगरी घाट तक पहुंचेगी सुगम सड़क, पर्यटन विकास को मिलेगी नई रफ्तार'

रायपुर। प्रकृति प्रेमियों और रोमांच चाहने वालो के लिए एक मनमोहक सांस्कृतिक यात्रा आपको सब कुछ प्रदान करता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग होने के अलावा, जशपुर एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भी घर है। यहाँ रहने वाले आदिवासी समुदायों की अपनी अनूठी परंपराएँ, कलाएँ, संगीत और लोककथाएँ हैं। जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड स्थित ग्राम पोड़ीखुर्द से ग्राम सुलेशा के बीच दनगरी घाट तक सुगम यातायात के लिए 13.60 किमी सड़क निर्माण के लिए 18 करोड 37 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई हैं। निर्माण हेतु आगे की प्रक्रिया जारी है। लोगों की यह बहुप्रतीक्षित मांग पूरी होने पर ग्रामीणों में खुशी की लहर है।घने जंगलों, कल-कल बहते झरनों, पहाड़ी नदियां, ऊँचे पहाड़ों और पठारों से घिरा जशपुर प्राकृतिक खूबसूरती का अद्वितीय खजाना है। पर्यटकों के लिए सहज आकर्षित करने वाले इन खूबसूरत पर्यटन स्थलों को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर विकसित किया जा रहा है। इसका मकसद जशपुर की इन पर्यटन स्थलों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत पहचान देने के साथ ही रोजगार के नए अवसर निर्मित करना है। ग्राम पोड़ीखुर्द से ग्राम सुलेशा के बीच दनगरी घाट तक सडक बन जाने से आसपास के ग्रामों को लाभ मिलेगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। जशपुर मुख्यालय से लगभग 88 किमी दूर घने जंगलों में स्थित यह झरना ऊँची चट्टानों से तीन-चार धाराओं में गिरता है। शांत, मनोहारी और रोमांच से भरपूर यह स्थान प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री ने 14 सितंबर को बगिया से सामुदायिक पर्यटन के तहत जशपुर के पांच ग्रामों में होम स्टे की शुरुआत की थी, जिसमें दनगरी भी शामिल है। यह नीति लागू करने का उद्देश्य रोजगार के नए अवसर निर्मित करने के साथ ही देश-दुनिया के पर्यटकों को यहां की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और लोकजीवन से परिचय कराना भी है। मुख्यमंत्री के प्रयासों से ही मधेश्वर पहाड़ को शिवलिंग की विश्व की सबसे बड़ी प्राकृतिक प्रतिकृति के रूप में मान्यता मिली है।

राष्ट्रपति द्वारा अवॉर्ड प्राप्त लाइवली हुड कॉलेज के शिक्षक टीकम किरण सम्मानित

धमतरी । धमतरी के विमल टॉकीज में आयोजित प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम में पधारे अतिथियों के द्वारा आमदी नगर निवासी टीकम किरण को मंच से सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि विगत 5 सितंबर को दिल्ली में किरण को महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के द्वारा उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मुलाकात करने का भी अवसर प्राप्त हुआ। उनकी यह उपलब्धि जिले और प्रदेश के लिए गौरव की बात है।

जनता की समस्याओं को हल करने में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की है अहम भूमिकाः मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

जनता की समस्याओं को हल करने में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की है अहम भूमिका

मुख्यमंत्री श्री साय से राज्य प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री साय से राज्य प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की सौजन्य मुलाकातमुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में राज्य प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में 2024 बैच के 13 एवं 2021 बैच के एक अधिकारी शामिल थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से चर्चा के दौरान कहा कि राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी प्रशासन की धुरी हैं। जनता की समस्याओं को हल करने में उनकी अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि प्रशासन के साथ-साथ आपको प्रबुद्ध नागरिक के रूप में समाज की भी चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बेहतर समाज के निर्माण में आप सभी अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी अधिकारियों को पदेन दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने के लिए शुभकामनाएँ दीं।छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के संचालक श्री टी.सी. महावर ने मुख्यमंत्री श्री साय को अवगत कराया कि इन अधिकारियों का 7 अप्रैल 2025 से प्रारंभ हुआ इंडक्शन कोर्स अब समाप्त हो रहा है। इसके बाद ये सभी अधिकारी राज्य के विभिन्न जिलों में डिप्टी कलेक्टर के रूप में सेवा देंगे, जहाँ वे शासन के विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली को समझेंगे।मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से उनके प्रशिक्षण के अनुभव भी जाने। उन्होंने कहा कि यह आपका सौभाग्य है कि आपको राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के रूप में जनता की सेवा का अवसर मिला है। यह अवसर सभी को नहीं मिलता। पूरे मनोयोग से इस अवसर का लाभ उठाते हुए निष्ठा और समर्पण के साथ अपने प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शासन का काम जनहित की नीतियाँ बनाना है, लेकिन उनके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों पर ही रहती है। छत्तीसगढ़ एक अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ प्रचुर मात्रा में खनिज और वन संपदा है, मिट्टी उर्वरा है और पावर सेक्टर बहुत मजबूत है। राज्य के विकास में नक्सलवाद एक बड़ी रुकावट था, जो अब अपनी अंतिम साँसें गिन रहा है। हमारे जवान पूरी मुस्तैदी से नक्सलियों का मुकाबला कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का संकल्प है कि 31 मार्च 2026 तक नक्सल समस्या का उन्मूलन कर दिया जाएगा। हमारे बहादुर जवान डटकर मुकाबला कर रहे हैं। इस लक्ष्य की प्राप्ति के बाद छत्तीसगढ़ और तेजी से विकसित होगा। राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के रूप में आपकी जिम्मेदारी भी और अधिक बढ़ जाएगी। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ में जनजातीय समाज को आगे लाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रशासन में पारदर्शिता लाना हमारी प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ पहला राज्य है जहाँ सुशासन एवं अभिसरण विभाग बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में ई-ऑफिस प्रणाली भी लागू की गई है। छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति निवेशकों को आकर्षित कर रही है। अब तक हमें साढ़े 7 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। छत्तीसगढ़ को अग्रणी राज्य बनाने में आप सभी की भूमिका होगी।मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से चर्चा के दौरान कहा कि राजस्व मामले सीधे जनता से जुड़े होते हैं। कई बार प्रशासनिक अधिकारियों की एक छोटी-सी पहल से भी लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राजस्व मामलों के समयबद्ध निराकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है।

बाढ़ आपदा पर मॉक ड्रिल की तैयारियों का अपर कलेक्टर ने किया निरीक्षण

रायपुर । जिले के सभी नागरिकों को सूचित किया जाता है कि 25 सितम्बर 2025, गुरुवार को प्रात- 9 बजे नवा रायपुर (परसदा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के पास) स्थित सेंध लेक में बाढ़ आपदा पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। यह अभ्यास राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (नई दिल्ली), गृह मंत्रालय भारत सरकार, छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य आपदा प्रबंधन की तैयारियों का मूल्यांकन करना तथा नागरिकों को आपदा की स्थिति में त्वरित और सही प्रतिक्रिया देने के लिए जागरूक करना है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर आज अपर कलेक्टर नम्रता जैन (आईएएस) ने मॉक ड्रिल आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बाढ़ आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों, भवन एवं मकानों के क्षतिग्रस्त होने पर उठाए जाने वाले कदमों और विभिन्न विभागों की भूमिकाओं को लेकर अधिकारियों से चर्चा की तथा संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर मनीष मिश्रा, आरंग एसडीएम अभिलाषा पैकरा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग जिले के स्कूलों का औचक निरीक्षण किया

प्रभारी प्राचार्य श्रीमती रजनी पुरोहित के कार्यों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए नोटिस जारी करने के निर्देश

रायपुर। प्रभारी प्राचार्य श्रीमती रजनी पुरोहित के कार्यों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए नोटिस जारी करने के निर्देश प्रभारी प्राचार्य श्रीमती रजनी पुरोहित के कार्यों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए नोटिस जारी करने के निर्देशप्रभारी प्राचार्य श्रीमती रजनी पुरोहित के कार्यों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए नोटिस जारी करने के निर्देशप्रभारी प्राचार्य श्रीमती रजनी पुरोहित के कार्यों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए नोटिस जारी करने के निर्देशप्रभारी प्राचार्य श्रीमती रजनी पुरोहित के कार्यों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए नोटिस जारी करने के निर्देशप्रभारी प्राचार्य श्रीमती रजनी पुरोहित के कार्यों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए नोटिस जारी करने के निर्देशस्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने आज दुर्ग जिले के विभिन्न स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। शासकीय प्राथमिक शाला गनियारी में शाला संचालन को सही पाया गया। वहीं, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला/हाईस्कूल गनियारी में मुख्य विषय के कालखंड में शिक्षक स्टाफरूम में बैठे पाए जाने पर मंत्री ने नाराजगी व्यक्त की और निर्देश दिए कि किसी भी एन.जी.ओ. या बाहरी व्यक्ति को जिला शिक्षा अधिकारी की अनुमति के बिना विद्यालय में प्रवेश न दिया जाए। प्रभारी प्राचार्य श्रीमती रजनी पुरोहित के कार्यों पर भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, नगपुरा में शाला संचालन और विद्यार्थियों से संवाद के बाद मंत्री ने प्रशंसा व्यक्त की। संस्था प्रमुख की मांग पर डोम निर्माण और बालक-बालिका के लिए पृथक-पृथक शौचालय निर्माण की घोषणा की गई तथा रिक्त पदों पर परीक्षण कर भर्ती कराने का आश्वासन दिया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, हिर्री धमधा में भौतिक और रसायन विषयों के प्रायोगिक कार्य अधूरे पाए जाने पर मंत्री ने प्रभारी प्राचार्य मनिराम मनडारे और भौतिक शास्त्र के व्याख्याता कल्पना शुक्ला के कार्यों पर नाराजगी व्यक्त की और सुधार हेतु नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। पूर्व माध्यमिक शाला, हिर्री में प्रधानपाठक श्रीमती हरिहरनो द्वारा संचालित अध्यापन व्यवस्था की मंत्री ने प्रशंसा की। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लिटिया में पात्र छात्राओं को निःशुल्क सरस्वती सायकल वितरित की गई और डोम निर्माण की घोषणा की गई। विद्यार्थियों से उनके भविष्य के लक्ष्य पूछने पर डॉक्टर, इंजीनियर, आई.ए.एस., और शिक्षक बनने की आकांक्षाएँ सामने आईं, जिस पर मंत्री ने सभी बच्चों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

भाजपा ने नियुक्त किये 3 चुनाव प्रभारी - भूपेंद्र यादव को बंगाल और बैजयंत पांडा को तमिलनाडु की जिम्मेदारी

धर्मेंद्र प्रधान को मिली इस राज्य की कमान

रायपुर/नई दिल्ली । भाजपा ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल, बिहार और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए हैं। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का प्रभारी और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब को सह प्रभारी बनाया गया है।बिहार के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को चुनाव प्रभारी, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल को सह-प्रभारी बनाया है। वहीं, इसके अलावा तमिलनाडु में भाजपा सांसद बैजयंत पांडा को प्रभारी और मुरलीधर मोहोल को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। बता दें कि, बिहार में अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं, यहां फिलहाल नीतीश कुमार की छ्रष्ठ और भाजपा गठबंधन की सरकार है। वहीं, 2026 में मार्च से मई के बीच पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में चुनाव होंगे। बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी ञ्जरूष्ट और तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कडग़म (ष्ठरूय्) सत्ता में है। भूपेंद्र यादव का चुनाव प्रभारी रहते भाजपा का शानदार प्रदर्शन- भाजपा के प्रमुख संगठनात्मक रणनीतिकार माने जाते हैं। इससे पहले बिहार (2020), मध्य प्रदेश (2023), गुजरात (2017), झारखंड (2014) और उत्तर प्रदेश (2017) जैसे राज्यों में चुनाव प्रभारी रह चुके हैं। सभी राज्यों में पार्टी ने सरकार बनाई। पश्चिम बंगाल जैसे जटिल राजनीति वाले राज्य में उनका अनुभव पार्टी की जमीनी स्तर की रणनीति को मजबूत करने में सहायक साबित हो सकता है। धर्मेंद्र प्रधान को संगठनात्मक और चुनावी मैनेजमेंट का अनुभव- वर्तमान में केंद्रीय शिक्षा मंत्री और भाजपा के एक अनुभवी संगठनकर्ता हैं। मोदी और शाह की टीम के भरोसेमंद सदस्य हैं। लोकसभा समेत ओडिशा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक में संगठनात्मक मजबूती और उम्मीदवारों के बीच तालमेल बैठाने में अहम भूमिका निभाई है। सभी चुनाव में पार्टी की जीत हुई। बिहार जैसे जटिल जातीय समीकरण वाले राज्य में उनकी संगठन क्षमता और चुनाव प्रबंधन का अनुभव पार्टी के लिए फायदेमंद हो सकता है। बैजयंत पांडा की साफ छवि भाजपा के लिए फायदेमंद- भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।

राज्य स्तरीय बाढ़ आपदा मॉक ड्रिल का आयोजन, राज्य स्तरीय बाढ़ आपदा मॉक ड्रिल का आयोजन

श्याम घुनघुटा बांध में एसडीआरएफने किया काल्पनिक बचाव अभ्यास

रायपुर। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने और राहत-बचाव कार्यों में दक्षता लाने के उद्देश्य से आज सरगुजा जिले के श्याम घुनघुटा बांध में राज्य स्तरीय बाढ़ आपदा मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस अभ्यास में जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन विभाग, एनडीआरएफ/एसडीआरएफ, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, फायर ब्रिगेड, पंचायत प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विभागों की सक्रिय भागीदारी रही। ड्रिल के दौरान यह परिकल्पना की गई कि लगातार भारी वर्षा से अचानक बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई है। इस स्थिति में प्रभावित गांवों से नावों और रेस्क्यू बोट्स द्वारा लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। स्कूबा टीम ने डूबे व्यक्ति की खोज और निकासी का प्रदर्शन किया। मलबे में दबे लोगों को एयर लिफ्टिंग जैक से बाहर निकालने और घायलों को स्ट्रेचर के माध्यम से सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की प्रक्रिया भी प्रदर्शित की गई।

रेस्क्यू दल ने ग्रामीणों को बताया कि बाढ़ की स्थिति में बांस-बम्बू, पानी के डब्बे, प्लास्टिक बोतलें और डेचकी जैसे घरेलू सामान का उपयोग जीवन रक्षक साधन के रूप में किया जा सकता है। मौके पर प्राथमिक उपचार, सीपीआर, एंबुलेंस और मेडिकल टीम की तैनाती भी प्रदर्शित की गई।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने कहा कि ऐसे मॉक ड्रिल आपदा की वास्तविक स्थिति में त्वरित, समन्वित और प्रभावी प्रतिक्रिया देने में सहायक होते हैं। अपर कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी श्री सुनील नायक ने बताया कि ग्रामीणों को स्वयं की सुरक्षा के लिए सरल तकनीकों की जानकारी दी गई। जिला सेनानी श्री एस.के. कढुतिया ने जवानों द्वारा किए गए विभिन्न बचाव अभ्यासों की जानकारी दी।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री रामसिंह ठाकुर, श्री अमृत लाल ध्रुव, एसडीएम, तहसीलदार, रक्षित निरीक्षक श्रीमती तृप्ति सिंह राजपूत, जिला सेनानी श्री संजय गुप्ता, एसडीआरएफ प्रभारी श्री रामलाल, एनसीसी अधिकारी श्री नवीन त्रिपाठी, सीएमएचओ डॉ. पी.एस. मार्को सहित अधिकारी-कर्मचारी और ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कामर्स की बेहतरीन पहल

रायपुर । छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज महिला चेम्बर के इतिहास में पहली बार ऐसा होने जा रहा है कि मैग्रेटो मॉल में महिलाओं द्वारा एक बाजार की शुरुआत होने जा रही है जिसमें महिलाओं द्वारा निर्मित स्वदेशी वस्तुओं का विक्रय किया जाए?गा,। इसमें छत्तीसगढ़ी व्यंजन / नाश्ता, आचार, पापड़ गोबर द्वारा निर्मित अगरबत्ती, दिए, महिलाओं द्वारा ही घर में बनाया गया कैमिकल रहित साबुन, कपड़े या जो भी चीजें महिलाएं बनाती हैं वह विक्रय किए जाएंगे। उक्त जानकारी चैंबर अध्यक्ष डॉ. इला गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया चेंबर की तरफ से एक प्रयास किया जा रहा है ताकि जो महिलाएं छोटे या बड़े स्तर पर अपना कारोबार शुरू करना चाहती हैं उनकी एक बढ़िया प्लेटफॉर्म मिल सके और यह अपने काम की शुरुआत कर सके। वहीं कोषाध्यक्ष प्रदेश महामंत्री मनीषा तारवानी कोषाध्यक्ष नम्रता ने पहल की पूरी जानकारी दी। हर महीने लगेगा मेग्नेटो में बाजार समाज की हर महिला की ख्वाहिश होती है कि वह भी अपना एक अलग स्थान बनाएं और नई ऊंचाइयों को छुए । उसकी खुद की एक पहचान हो, और यह मौका दे रहा है छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रीज हर महीने के दूसरे एवं चौथे बुधवार को मैग्रेटो मॉल में ग्राउंड फ्लोर पर यह बाजार लगेगा इसमें कोई भी महिला अपना स्टॉल लगा सकती है। इससे ना केवल महिलाओं का आत्म विश्वास बढ़ेगा बल्कि उन्हें एक नई पहचान भी मिलेगी। कई बार महिलाएं बहुत ज्यादा पढ़ाई नहीं कर पाती हैं। परंतु गृह कार्य से लेकर हर कार्य में दक्ष होती हैं, लेकिन डिग्री न होने के कारण हीनभावना से ग्रस्त हो जाती हैं और स्वयं को कमतर आंकने लगती हैं। परंतु उनके पास कुछ ऐसा हुनर होता है जिसे वह समाज में अपनी पहचान बना सकती है। चैंबर की महिला प्रतिनिधित्व के द्वारा महिलाओं के हुनर को पहचान मिलेगी साथ ही साथ उन्हें आर्थिक स्वावलंबन भी हासिल होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि., जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)